वर्ष-10 अंक-236 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, शनिवार 30 नवम्बर, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

नगर संस्करण

10

आधुनिक समाचार नेटवर्क

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

सीडीएस ने कहा- भारत प्रगति पथ पर बढ़ रहा आगे, आत्मनिर्भरता-स्वदेशी रक्षा क्षमताएं स्थायी शांति की नींव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज और इंडियन मिलिट्री रिव्यू की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित किया। 200 से अधिक कंपनियां और रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के 100 अधिकारी, जो प्रौद्योगिकी और खरीद से संबंधित हैं, दो

दिवसीय कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने गुरुवार को कहा कि भारत प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी रक्षा क्षमताएं स्थायी शांति की नींव हैं। उन्होंने कहा, 'आज भारत वैश्विक आशावाद के केंद्र में है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं।' जनरल चौहान ने कहा, 'हम प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, ऐसे में हमारा मानना है कि आत्मनिर्भरता और स्वदेशी रक्षा क्षमताएं स्थायी शांति की नींव हैं।' चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज और इंडियन मिलिट्री रिव्यू की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, भारत के सुरक्षा परिदृश्य के लिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की आवश्यकता है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि सभी हितधारकों को जोड़ने वाला एक सामान्य सूत्र 'राष्ट्रीय हित' है। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रीय हित का बंधन सभी तत्वों को एक साथ नहीं बांधता है तो स्वदेशीकरण का पूरा उपक्रम सफल नहीं होगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए पिछले कुछ वर्षों में सरकार की तरफ से शुरू की गई कई पहलों पर भी प्रकाश डाला।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण में देरी पर रेल मंत्री ने तोड़ी चुप्पी, बताई ये वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण में देरी को लेकर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने अपना बयान जारी किया है। इसमें उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण की प्रक्रिया डिजाइन मंजूरी के मुद्दों के कारण शुरू होने में देरी हो रही है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण में देरी को लेकर इन दिनों डिजाइन मंजूरी के मुद्दों के साथ-साथ कई सारे दावे सामने आए हैं। इसी बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को अपनी चुप्पी तोड़ते हुए उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण की प्रक्रिया डिजाइन मंजूरी के मुद्दों के कारण शुरू होने में देरी हो रही है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान वैष्णव ने कहा कि इन ट्रेनों के निर्माण के लिए जिस रूसी फर्म को शामिल किया गया है, उसके लिए डिजाइन कभी कोई मुद्दा नहीं था। इससे पहले, रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग (टीएमएच) के अधिकारियों के हवाले

से मीडिया के एक वर्ग ने बताया था कि भारतीय रेलवे ने ट्रेन में शौचालय और पेंट्री कार की मांग की थी, जिसके लिए ट्रेनों के डिजाइन में बदलाव करना जरूरी था। वैष्णव ने कहा कि असली समस्या फर्म की सीमित निर्माण क्षमता से संबंधित थी, क्योंकि रूस में आमतौर पर छोटे कोच होते हैं। उन्होंने बताया कि फर्म को वंदे भारत के डिज़ाइन के अनुसार 16, 20 या 24 कोच वाली ट्रेन बनाने के लिए कहा गया था। चूंकि रूस में ट्रेनों में 6 से 8 कोच होते हैं, फर्म को यह सवाल था कि भारत में क्यों अधिक कोच वाली ट्रेनों की आवश्यकता है। मंत्री ने बताया कि यह मुद्दा अब सुलझा लिया गया है और निर्माण प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी।वहीं इस मामले में जारी रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि फर्म ने डिजाइन में बदलाव को लेकर रेल मंत्रालय की चिंताओं को संबोधित किया और इसे मंजूरी के लिए मंत्रालय को भेजा, जिसने हालांकि अपनी सहमति नहीं दी। वहीं बात अनुबंधों के अनुसार, फर्म को 1,920 स्लीपर कोच बनाने हैं। हालांकि, वैष्णव ने कहा कि ये खबरें निराधार हैं क्योंकि असली मुद्दे फर्म की सीमित विनिर्माण क्षमताओं के संबंध में थे क्योंकि रूस में भारत की तुलना में ट्रेनों में कम संख्या में कोच होते हैं।

हमारी युवा शक्ति कर सकती है चमत्कार', पीएम मोदी ने युवाओं को अवसर प्रदान करने की दोहराई प्रतिबद्धता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारी युवा शक्ति चमत्कार कर सकती है! और हम उन्हें वो सभी अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उन्हें चमकने और सफलता हासिल करने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना की सराहना की। उन्होंने युवाओं को मिलने वाले अवसरों को लेकर कहा कि सरकार युवाओं को वो सभी अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है जो उन्हें अपनी क्षमता दिखाने और उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेंगे। माईगव की एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा हमारी युवा शक्ति चमत्कार कर सकती है! और हम उन्हें वो सभी अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उन्हें चमकने और सफलता हासिल करने में मदद करेंगे। वहीं इस मामले में श्ब्उदन्ह्र्ड्ड' के पोस्ट में कहा गया था कि पीएम मोदी की दूरदर्शी पहल देश में शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव ला रही है। पोस्ट में यह भी बताया गया कि ठभारत अपने युवाओं पर बड़ा दांव लगा रहा है!ठ और एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई जहां 6,300 संस्थान और 1.8 करोड़ छात्र व शोधकर्ता आसानी से वैश्विक ज्ञान तक पहुंच सकें।पीएम मोदी के बयान और

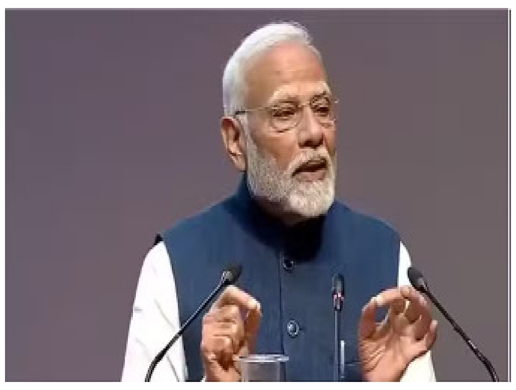

माईगव के लिए जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि यह एक बड़ा कदम है और सरकार ने पीएम इंटर्नशिप योजना, पीएम विद्यालक्ष्मी योजना और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसी योजनाएं भी शुरू की हैं, ताकि हमारे युवाओं को सशक्त किया जा सके। बता दें कि वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के लिए है। इसके तहत 2025, 2026 और 2027 तक कुल 6,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यह योजना भारत के युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच को बढ़ाएगी और अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है। वह जहां-जहां भी जाते हैं वहां उन्हें भारतीय संस्कृति का दर्शन होता है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर अपनी विभिन्न देशों की यात्रा के दौरान वहां प्रदर्शित भारतीय सांस्कृतिक प्रथाओं का एक संग्रह साझा किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं जहां भी जाता हूं, अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति अपार उत्साह देखता हूं, यह बेहद खुशी की बात है। भारतीय संस्कृति विश्वस्तर पर गूंजती है। पीएम मोदी की पोस्ट में साझा कोलाज में लोगों को ऑस्ट्रिया में वंदे मातरम गाते हुए, पोलैंड और मॉस्को (रूस) में गरबा, कजान (रूस) में ढोलिदा, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम और लाओस व ब्राजील में रामायण तथा अन्य समान कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए दिखाया गया है।

डीजीपी सम्मेलन की शुरुआत, पीएम मोदी-अमित शाह होंगे शामिल; आंतरिक सुरक्षा-ए आई खतरों पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । डीजीपी सम्मेलन को लेकर भुवनेश्वर के कई इलाकों में नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इसे लेकर एक आधिकारिक अधिसूचना भी जारी की जा चुकी है। पुलिस महानिदेशकों और ने बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी 29 नवंबर की रात को भुवनेश्वर पहुंचेंगे और एक दिसंबर की दोपहर तक ओडिशा में रहेंगे। यह पहली बार है जब ओडिशा में पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय

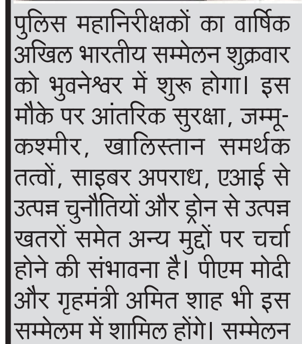

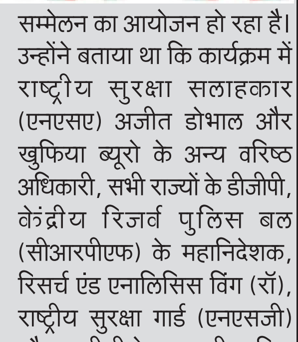

पुलिस महानिरीक्षकों का वार्षिक अखिल भारतीय सम्मेलन शुक्रवार को भुवनेश्वर में शुरू होगा। इस मौके पर आंतरिक सुरक्षा, जम्मू-कश्मीर, खालिस्तान समर्थक तत्वों, साइबर अपराध, एआई से उत्पन्न चुनौतियों और ड्रोन से उत्पन्न खतरों समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी इस सम्मेलम में शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्घाटन गृह मंत्री करेंगे, वहीं प्रधानमंत्री शेष दो दिन उपस्थित रहेंगे और रविवार को समापन भाषण देंगे इससे पहले, ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया था कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और खुफिया ब्यूरो के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, सभी राज्यों के डीजीपी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और एसपीजी के प्रमुख भी शामिल होंगे। अधिकारियों ने कहा कि डीजीपी और आईजीपी रैंक के लगभग 250 अधिकारी सम्मेलन में उपस्थित होंगे।

शपथ ग्रहण के बाद केंद्र पर हमलावर हुए हेमंत सोरेन, कोयले की बकाया राशि को लेकर कही बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही सीएम सोरेन केंद्र सरकार पर हमालवर होते हुए दिखे। बकाया है, जिसे वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी सोरेन ने यह भी कहा कि कोल इंडिया जैसी केंद्रीय कंपनियों से यह

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार कोयला की बकाया राशि वसूलने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ कानूनी कदम उठाएगी। हेमंत सोरेन ने झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर गुरुवार को शपथ ग्रहण किया। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही सीएम सोरेन केंद्र सरकार पर हमालवर होते हुए दिखे। जहां उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार कोयला की बकाया राशि वसूलने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ कानूनी कदम उठाएगी। बता दें कि गुरुवार को हेमंत सोरेन ने चौथी बार झारखंड की गद्दी संभाली। अपनी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए सोरेन ने मीडिया से कहा कि केंद्र पर राज्य का 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया राज्य का अधिकार है और इसके न मिलने से झारखंड का विकास रुक रहा है। सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2 नवंबर को झारखंड के बकाए की मांग की थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया था कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से वह फिर से अनुरोध करते हैं कि झारखंड का 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया चुकाया जाए, क्योंकि यह राज्य के लिए बेहद जरूरी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस बात की पुष्टि की है कि राज्य को खनन और रॉयल्टी बकाया वसूलने का अधिकार है। सोरेन ने बताया कि बकाया न मिलने से झारखंड के विकास और सामाजिक-आर्थिक परियोजनाओं पर बुरा असर पड़ रहा है।

संसदीय व्यवधान तरीका नहीं एक बीमारी', सदन में विपक्ष के गतिरोध पर बोले धनखड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । सदन में बढ़ते व्यवधान को देखते हुए धनखड़ ने कहा संसदीय व्यवधान एक उपाय नहीं, बल्कि बीमारी है। यह हमारी नींव को कमजोर करता है और संसद

को अप्रासंगिक बना सकता है। हमें अपनी प्रासंगिकता बनाए रखनी चाहिए। अडानी मामले, मणिपुर की स्थिति और संभल हिंसा पर चर्चा की विपक्ष की मांग के बीच संसद में हो रहे व्यवधान पर राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बयान सामने आया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि संसद में व्यवधान एक तरीका नहीं बल्कि एक बीमारी है। उन्होंने सदस्यों से ठपारंपरिक विचारशील चर्चाठ में शामिल होने और सार्थक संवाद की भावना अपनाने का आग्रह किया। धनखड़ ने कहा संसदीय व्यवधान एक उपाय नहीं, बल्कि बीमारी है। यह हमारी नींव को कमजोर करता है और संसद को अप्रासंगिक बना सकता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी प्रासंगिकता बनाए रखनी चाहिए। अगर संसद अपने कर्तव्यों से भटकती है, तो लोकतंत्र को आगे बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। इसके साथ ही उन्होंने सांसदों से अपील करते हुए कहा कि 26 नवंबर को 75वें राष्ट्रीय संविधान दिवस पर संसद के पास 1.4 अरब लोगों को आशा का संदेश भेजने का अवसर था, लेकिन इस ऐतिहासिक अवसर को हम खो चुके हैं। धनखड़ ने कहा अगर हम अपने मन मुताबिक या किसी भी तरीके से काम करने लगते हैं, तो यह न सिर्फ लोकतांत्रिक नहीं होगा, बल्कि इस पवित्र स्थल के अस्तित्व के लिए बड़ी चुनौती बन जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे कोई शक नहीं है कि नियमों से कोई भी हटकर चलना इस मंदिर को अपवित्र करने जैसा होगा।ठ (एएनआई) धनखड़ ने कहा कि संसद उत्पादक चर्चा के लिए एक मंच है और वह सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए समय देंगे। उन्होंने कहा मैं इस सदन को अप्रासंगिक नहीं होने दूंगा।

चोरों की मां सबसे ज्यादा शोर मचाती है', स्वास्थ्य साथी योजना में बढ़े खर्चे पर बोलीं ममता बनर्जी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । ममता बनर्जी ने कहा कि हां खर्च बढ़ा है और हमें काफी बड़ी राशि का नुकसान हुआ है। कई लोगों ने स्वास्थ्य साथी योजना

के तहत इलाज करवाया है। उन्होंने कहा कि मैं मामले की पूरी जांच शुरू कर रही हूं, मुझे इस बारे में अधिकांश जानकारी मिल चुकी है, पश्चिम बंगाल के आरजी कर अस्पताल में 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के साथ हुई बर्बरता के बाद 'स्वास्थ्य साथी' योजना का सर्वेक्षण सामने आया है। जिसमें दावा किया गया है कि इस योजना के तहत प्रदर्शन के दौरान खर्च बड़ा है। जिसको लेकर सीएम ममता बनर्जी ने भी बयान जारी किया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म-हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान स्वास्थ्य साथी योजना के तहत खर्च बढ़ा है। जिसके कारण सरकार को काफी बड़ी राषि का नुकसान हुआ है। जिसकी जांच की जा रही है। बात अगर मामले में हुई सर्वेक्षण की करें तो यह बात सामने आई है कि आरजी कर अस्पताल में एक महिला डॉक्टर की मौत के विरोध में जूनियर डॉक्टरों द्वारा किए गए प्रदर्शनों के दौरान, निजी अस्पतालों में 'स्वास्थ्य साथी' योजना के तहत इलाज पर राज्य सरकार के खर्च में काफी बढ़ोतरी हुई थी। बता दें कि स्वास्थ्य साथी' योजना राज्य सरकार का एक स्वास्थ्य बीमा प्रोग्राम है, जो हर परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक की इलाज की सुविधा देता है। ममता बनर्जी ने कहा कि यदि कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा चोरों की मां सबसे ज्यादा शोर मचाती है। जो लोग स्वास्थ्य साथी योजना के पैसे का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, यह जनता का पैसा है। आपको निर्णय लेना है काम करना है या काम बंद करना है। बिना काम किए पैसे नहीं मिल सकते। सही जांच के बाद सजा दी जाएगी। जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लिया जाएगा।

केंद्र ने 3,295 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं को दी मंजूरी, इन प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का होगा उद्धार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । देशभर के कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के उद्धार के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। जिसके तहत 23 राज्यों में फैली 3,295 करोड़ रुपये से अधिक की 40 परियोजनाओं को केंद्र से मंजूरी दी गई है। देश के कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने कदम उठाया है। इसके तहत 23 राज्यों में फैली 3,295 करोड़ रुपये से अधिक की 40 परियोजनाओं को केंद्र से मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य कम प्रसिद्ध स्थलों को प्रतिष्ठित स्थलों के रूप में विकसित करना और देश भर में पर्यटकों के अधिक संतुलित वितरण को बढ़ावा देना है। व्यय विभाग के निर्देशों के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के लिए परिचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय ने राज्य सरकारों को एसएएससीआई दिशानिर्देश

प्रसारित किए हैं और उनसे मंत्रालय को परियोजना प्रस्ताव तैयार करने और प्रस्तुत करने का अनुरोध किया है, जो प्रकृति में प्रतिष्ठित हैं और प्रभावशाली गंतव्य बना सकते हैं। इस मामले में मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर, 2024 तक, 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले कुल 87 परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पर्यटन मंत्रालय ने दिशा-निर्देशों और प्रक्रिया या मानदंडों के अनुसार 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की लागत से 40 परियोजनाओं को चुना, जिन्हें अब व्यय विभाग ने मंजूरी दे दी है। बात अगर चयनित स्थलों की करें तो इनमें रंग घर, शिवसागर (असम), मत्स्यगंधा झील, सहरसा (बिहार), प्रस्तावित टाउन स्क्वायर, पोरवोरिम (गोवा) और ओरछा (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने के लिए राज्यों को 50 साल की अवधि के लिए दीर्घकालिक ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करना है। परियोजनाओं के रूप में पूंजी निवेश को बढ़ावा देकर इस योजना में स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास और स्थायी पर्यटन परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसरों के सृजन की परिकल्पना की गई है। मंत्रालय ने कहा, ठइस पहल का उद्देश्य उच्च यातायात स्थलों पर दबाव को कम करना और देश भर में पर्यटकों के अधिक संतुलित वितरण को बढ़ावा देना है।इसके साथ ही कम ज्ञात स्थलों पर ध्यान केंद्रित करके, मंत्रालय समग्र पर्यटन अनुभव को बढ़ाने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और नई परियोजना चयन के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करने की उम्मीद करता है राज्यों को परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दो साल का समय दिया गया है, जबकि धनराशि मार्च 2026 से पहले जारी की जाएगी

जस्टिस मनमोहन को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश, दिल्ली हाई कोर्ट में हैं मुख्य न्यायाधीश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । 28 नवंबर को हुई बैठक में सर्वसम्मति से जस्टिस मनमोहन का नाम चुना गया। कॉलेजियम में सीजेआई संजीव खन्ना के अलावा सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम जज शामिल थे। 13 मार्च, 2008 को जस्टिस मनमोहन को दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनमोहन को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है। एक बयान में कॉलेजियम

ने कहा है कि जस्टिस मनमोहन दिल्ली हाईकोर्ट में सबसे वरिष्ठ होने के अलावा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या दो पर हैं। जस्टिस मनमोहन को चुनते समय कॉलेजियम ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट का केवल एक ही प्रतिनिधित्व है। सीजेआई संजीव खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट से थे। 28 नवंबर को हुई बैठक में सर्वसम्मति से जस्टिस मनमोहन का नाम चुना गया। कॉलेजियम में भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के अलावा सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम जज शामिल थे। 13 मार्च, 2008 को जस्टिस मनमोहन को दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। 29 सितंबर, 2024 से वह हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com YouTube आधुनिक समाचार

खाक चौक पर भूमि को लेकर साधु संतों ने मेला प्राधिकरण कार्यालय पर किया प्रदर्शन, मनमानी का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। संतोष दास सतुआ बाबा समेत बड़ी संख्या में संत सुबह ही सैकड़ों साधु और संन्यासियों के साथ दारागंज स्थित मेला प्राधिकरण कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि मेला प्रशासन खाक चौक की भूमि को दूसरों क आवंटित कर रहा है। खाक चौक व्यवस्था समिति के साधु संतों ने शुक्रवार को मेला प्राधिकरण कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। संतोष दास सतुआ बाबा समेत बड़ी संख्या में संत सुबह ही सैकड़ों साधु और संन्यासियों के साथ दारागंज स्थित मेला प्राधिकरण कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि मेला प्रशासन खाक चौक की भूमि को दूसरों क आवंटित कर रहा है। इसी तरह महामंडलेश्वर स्वामी रामतीर्थ दास ने भी मेला प्रशासन पर भूमि आवंटन में गड़बड़ी का आरोप लगाया। उनका कहना है कि 1965 से पूर्व खाक चौक के संतों को जमीन आवंटन संगम के पास हो रहा था, लेकिन 2019 के कुंभ से मेला प्रशासन जमीन आवंटन में गड़बड़ी कर रहा है। उन्होंने बताया कि मेला प्रशासन के अफसरों ने खाक चौक के संतों को देश के कोने-कोने से जमीन आवंटन के लिए बुला लिया है, लेकिन जमीन आवंटन में गड़बड़ी की जा रही है। इससे संतों में आक्रोश है।महामंडलेश्वर स्वामी राम तीर्थ दास का कहना है कि 65 वर्ष से कुंभ मेला और अर्द्ध कुंभ मेला में आ रहा हूं, लेकिन जमीन आवंटन के दौरान सबसे ज्यादा गड़बड़ी और लापरवाही मेला प्रशासन के अफसर कर रहे हैं। खाक चौक के संतों को महाकुंभ में शिविर लगाने के लिए एक साथ जमीन मेला प्रशासन आवंटित करें,ताकि संत समय से शिविर लगा सके। उन्होंने कहा कि भीषण ठंड में संत खुले आसमान के नीचे पड़े हैं, लेकिन मेला प्रशासन के अफसर मामले को लेकर गंभीर नहीं हैं।

महिला ने धारदार हथियार से वार कर की पति की हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। पत्नी सीमा देवी ने बृहस्पतिवार की शाम को फोन कर अपने पति को कमरे पर आने के लिए कहा। आरोप है कि पति जैसे ही कमरे पर पहुंचा कि पहले से ही घात लगाकर बैठी पत्नी ने उसके ऊपर धारदार हथियार से वार करना शुरू कर दिया। कोरांव थाना क्षेत्र के चमनगंज मोहल्ले में बीती रात पत्नी ने धारदार हथियार से वार कर पति की हत्या कर दी। महिला ने बहुत ही बेरहमी के साथ पति की हत्या की। उसके ऊपर तब तक वार किया जब तक उसके प्राण नहीं निकल गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना को लेकर प्रेम प्रसंग का मामला सामने आ रहा है।

मुगलों की सेना को परास्त कर चुके हैं जूना अखाड़े के नागा, 5.50 लाख संन्यासियों की है फौज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। तरह-तरह के मतों, रूपों, विचारों वाले संतों के अखाड़े महाकुंभ में श्रद्धालुओं के बीच एक बार फिर बड़े आकर्षण के रूप में नजर आएंगे। पौराणिक मान्यता है कि देवासुर संग्राम में 14वें रत्न के रूप में निकले अमृत कलश को असुरों से बचाने के लिए विष्णु ने जिस तरह स्वर्णाभूषणों से अलंकृत विश्वमोहिनी का रूप धरकर पूरे ब्रह्मांड का ध्यान खींचा था, उसी तरह कुंभ में कोना-कंदरा, मठों, आश्रमों से निकलने वाले वेशधारी बाबा लोगों को लुभाएंगे। तरह-तरह के मतों, रूपों, विचारों वाले संतों के अखाड़े महाकुंभ में श्रद्धालुओं के बीच एक बार फिर बड़े आकर्षण के रूप में नजर आएंगे। पौराणिक मान्यता है कि देवासुर संग्राम में 14वें रत्न के रूप में निकले अमृत कलश को असुरों से बचाने के लिए विष्णु ने जिस तरह स्वर्णाभूषणों से अलंकृत विश्वमोहिनी का रूप धरकर पूरे ब्रह्मांड का ध्यान खींचा था, उसी तरह कुंभ में कोना-कंदरा, मठों, आश्रमों से निकलने वाले वेशधारी बाबा लोगों को लुभाएंगे। इसके लिए संगम की रेती पर संन्यासियों, उदासियों और वैरागियों के बेड़े सजने लगे हैं। 13 अखाड़ों की परंपरा और उनकी विशिष्टता से परिचित कराने के लिए हम इस श्रृंखला की शुरुआत जूना अखाड़े से कर रहे हैं। आइए जानते हैं सबसे बड़े जूना अखाड़े के बारे म शस्त्र विद्या में निपुण सनातन धर्म की सबसे बड़ी सेना खड़ी करने वाले पंच दशनाम जूना अखाड़े में इस महाकुंभ में पांच हजार से अधिक नए नागा संन्यासी शामिल होंगे। वैष्णव और शिव संन्यासी संप्रदाय के 13 अखाड़ों में 5.50 लाख से अधिक नागाओं के जत्थे वाला जूना अखाड़ा सबसे बड़ा है। आठवीं शताब्दी में गठित भैरव अखाड़े को ही वर्ष 1145 में पंच दशनाम जूना अखाड़े के रूप में मान्यता प्रदान की गई।इस बार महाकुंभ के चुनाव में राजसी स्नान की धर्मध्वजा जूना अखाड़े के हाथ सौंपी गई है। यानी सबसे पहले जूना अखाड़ा ही सोने, चांदी और रत्नजड़ित हौदों, सिंहासनों पर सवार होकर अस्त्र-शस्त्र के साथ राजसी स्नान के लिए निकलेगा। इस अखाड़े के अपने गुरु भी हैं और देवता भी। जूना अखाड़े के संन्यासी अपना ईष्टदेव भगवान शिव को और गुरु दत्तात्रेय को मानते हैं। शिव संन्यासी संप्रदाय के तहत ही दशनामी परंपरा का पालन इस अखाड़े के संन्यासी करते हैं काशी के हनुमान घाट पर स्थित मुख्यालय से संचालित जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि बताते हैं कि संन्यास ग्रहण कराने के बाद गुरुओं की ओर से इस अखाड़े की दशनामी परंपरा में गिरि, पर्वत, सागर, पुरी, भारती, सरस्वती, वन, अरण्य, तीर्थ और आश्रम को लेकर 10 नाम दिए जाते हैं। अखाड़े के प्रवक्ता महंत नारायण गिरि अखाड़े की विशिष्टता गिनाते नहीं थकते। वह बताते हैं कि जूना अखाड़े की आंतरिक संरचना भी बहुत दिलचस्प है। इस अखाड़े के भीतर संन्यासियों के 52 परिवारों के बीच सभी बड़े सदस्यों की एक कमेटी नियंत्रक की तरह काम करती है। इस सबसे बड़े संत समूह के संचालन में जूना अखाड़े की चार मढ़ियां भी खास होती हैं। तीन मढ़ी, चार मढ़ी, 13 मढ़ी और 14 मढ़ी वाली इन चारों मढ़ियों में महंत से लेकर अष्टकौशल महंत और कोतवाल, कोठारी के पद पर चुन कर लाए गए संतों का ही गद्दी पर पट्टाभिषेक किया जाता है। इस बार महाकुंभ का नेतृत्व चार मढ़ी के हाथ है। महाकुंभ का नेतृत्व संभालने वाले चार मढ़ी के अध्यक्ष महंत विद्यानंद सरस्वती बताते हैं कि कुंभ में राजसी स्नान की खास झलक बनने वाले जूना अखाड़े के संन्यासी शस्त्र विद्या में निपुण होने के साथ ही तलवार, भाला, फरसा जैसे शस्त्रों लैस रहते हैं। मुगल काल में जब बार-बार मंदिरों और मठों को नष्ट करने की कोशिश हुई थी, तब मुगलों के साथ युद्ध में कई हजार नागाओं ने अपने प्राणों की आहुति भी दी। अहमद शाह अब्दाली ने जब मथुरा-वृंदावन के बाद गोकुल पर आक्रमण किया तब नागाओं ने मुगल सेना का मुकाबला कर गोकुल की रक्षा की थी। इसी तरह जूनागढ़ के निजाम के साथ भी नागाओं ने भीषण युद्ध किया था, जिसमें निजाम को हार का सामना करना पड़ा था।

प्रदेश आस/पास

भारत

वाराणसी, रायबरेली

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन ने सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट की ब्रान्च सीवर लाइनों के कार्य मेसर्स के0के0 स्पन इण्डिया लि0, फरीदाबाद (हरियाणा) द्वारा किये जा रहे है, अग्रेत्तर मुख्य सचिव द्वारा सीवरेज शोधन संयत्र (एस0टी0पी0) का निरीक्षण किया गया, जिस पर इनलेट बी0ओ0डी0 के बारे में

कार्यक्रम के दौरान जनपद रायबरेली में अमृत योजनान्तर्गत निर्मित गोडवा गदियानी स्थित सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट (18 एम0एल0डी0 क्षमता, एस0बी0आर0 तकनीक आधारित) का निरीक्षण किया गया। मुख्य सचिव ने सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट पर निर्मित प्रशासनिक भवन के मीटिंग हाल में योजना के मुख्य पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0) उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) लखनऊ द्वारा 18 एम0एल0डी0 क्षमता के एस0टी0पी0 का निर्माण मेसर्स घारपुरे इन्जी0 एण्ड कान्स्ट्रक्शन प्रा0लि0, पुणे द्वारा वर्ष 2022 में पूर्ण कर दिसम्बर-2023 में नगर पालिका परिषद, रायबरेली को हस्तान्तरित किया गया है तथा जिसकी लागत रू0 168.00 करोड़ है, जिसके अंतर्गत 178.00 किमी0 सीवर लाइन बिछया जाना प्रस्तावित है, जिसके सापेक्ष 110.00 किमी0 सीवर लाइन के कार्य किये जा चुके है तथा लक्ष्य को पूर्ण करने के सापेक्ष 14.00 किमी0 सीवर लाइन बिछाया जाना शेष है, जिसमें 4.00 किमी0 सीवर लाइन ट्रेन्चलेस विधि से किया जाना अपरिहार्य है। इसी दौरान विधायक, सदर द्वारा अवगत कराया गया कि विधान सभा क्षेत्र सदर में लगभग 10.00 किमी0 सड़क पुर्नस्थापना का कार्य शेष है, जिस पर मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि मेसर्स के0के0 स्पन इण्डिया लि0, के विरूद्ध अनुबन्ध के आलेख में ब्लैक लिस्टिंग की कार्यवाही कराते हुये अवशेष कार्य हेतु अग्रिम कार्यवाही करायी जाये। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (नगरीय) द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग 70-100 मिली0 बी0ओ0डी0 प्रापत हो रही है। प्लान्ट पूर्णतया क्रियाशील है व प्लान्टस से मानक अनुरूप पैरामीटर प्राप्त हो रहे है तथा आउटलेट पर् 10 बी0ओ0डी0 प्राप्त है। मुख्य सचिव द्वारा ओ0सी0एम0एस0 को देखा गया, जो क्रियाशील पाया गया।इस मौके पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, मुख्य अभियन्ता (ल0क्ष0) उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) अधिशासी अभियन्ता. जल निगम (नगरीय) तथा अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद रायबरेली मौजूद रहे।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न विषय पर आयोजित हुआ विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरुकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा महिलाओं के हितार्थ संरक्षण कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन फिरोज गाँधी डिग्री कालेज, रायबरेली में किया गया। उक्त कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए निर्मल कुमार गौड अभियोजन अधिकारी, रायबरेली के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय ने विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान राज्य 1997 मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय में जारी विशाखा दिशा-निर्देश के सम्बन्ध में उपस्थित लोगों को जानकारी प्रदान की गयी। अभियोजन अधिकारी द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013 के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अनुपम शौर्य, अपरजिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा महिलाओं के विधिक अधिकार विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि महिलाओं को संरक्षण प्रदान करने के लिए और कार्यस्थल पर उसके अधिकारों की रक्षा करने के लिए महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 अधिनियमित किया गया है। अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों में ऐसी शिकायतों पर विचार करने के लिए आंतरिक परिवाद समिति (आई.सी.सी.) गठित करने का भार नियोजक पर और स्थानीय परिवाद समिति (एल.सी.सी.) गठित करने का भार जिलाधिकारी पर डाला गया है। सचिव द्वारा बताया गया कि इ्दएप् अधिनियम यौन उत्पीड़न को परिभाषित करता है जिसमें शारीरिक संपर्क और यौन प्रस्ताव, यौन अनुग्रह के लिये मांग या अनुरोध, अश्लील टिप्पणी करना, अश्लील चित्र दिखाना तथा किसी भी अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक व्यवहार जैसे अवांछित कार्य शामिल हैं। इ्दएप् अधिनियम 2013 में भारत सरकार द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं द्वारा सामना किये जाने वाले यौन उत्पीड़न के मुद्दे को हल करने के लिये बनाया गया एक कानून है। इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं के लिये एक सुरक्षित और अनुकूल कार्य वातावरण बनाना तथा उन्हें यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करना है। डा0 शमिनी श्रीवास्तव, कार्यकारी संयोजक मिशन शक्ति, फिरोज गाँधी डिग्री कालेज, रायबरेली द्वारा कार्यस्थल पर आचार संहिता विषय के सम्बन्ध में प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के उपरांत प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर मनोज कुमार त्रिपाठी, प्रचार्य फिरोज गाँधी डिग्री कालेज, रायबरेली, इंजी0 अतुल भार्गव, डा0 सोनम कुमारी रावत व डा0 अलका सिंह व पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह, अर्चना सिंह, प्रतिभा अवस्थी, मिथलेश, सौम्या मिश्रा, मनोज कुमार प्रजापति व पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

काशी विश्वनाथ मंदिर और यूपी कॉलेज के पास सख्त सुरक्षा छात्रों ने जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। जुमे की नमाज को लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर के पास जिला प्रशासन के लोग तैनात रहे। वहीं, यूपी कॉलेज के बाहर के पास भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। यूपी कॉलेज को वक्फ बोर्ड के नोटिस के मामले में छात्रों के गुस्से के बाद कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। कैंपस में

भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। कॉलेज के छात्रों ने जुमे की नमाज को लेकर अपनी नाराजगी जताई है। ज्ञात रहे कि दो दिन पहले ही कॉलेज के स्थापना दिवस के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे थे।वाराणसी के भोजूबीर स्थित यूपी कॉलेज पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा किया है। इसको लेकर यहां के छात्रा और प्रबंधन के लोगों में गुस्सा है। इसको लेकर तमाम तरह की कानूनी कागजातों को भी कॉलेज प्रबंधन ने पेश किया है। वहीं संभल मामले को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर पीएसी और पुलिस की तैनाती कर दी गई है और संदिग्धों पर निगाह रखी जा रही है। यूपी कॉलेज परिसर छावनी में तब्दील हो गया है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसको लेकर उदय प्रताप कॉलेज में छात्रों और कॉलेज प्रशासन के साथ बैठक हुई, जिसमें छात्रों ने ऐसी किसी भी मंशा से इनकार किया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि कोई भी अप्रिय घटना नहीं होने देंगे। यह प्रश्नगत नोटिस 2018 का है और कॉलेज प्रशासन ने साक्ष्यों के साथ जवाब दिया है।

महिलाओं ने निकाली शोभायात्रा, ओम नम शिवाय का किया जाप पहुंचीं विश्वनाथ धाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी।भव्य शोभायात्रा के दौरान महिलाएं पीला वस्त्र धारण कर ओम नमः शिवाय का मंत्र जाप करती चल रही थीं। उन पर पुष्प वर्षा भी होती रही। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पूजन के बाद यात्रा का समापन किया गया।सेंटर फॉर सनातन रिसर्च एवं ट्राइडेंट सेवा समिति ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'मां सती के 51 शक्ति पीठ एवं द्वादश ज्योतिर्लिंगों' का महासमागम कार्यक्रम के दो दिवसीय कार्यक्रम के अवसर पर शुक्रवार को दशाश्वमेध स्थित चितरंजन पार्क से एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई जो गोदौलिया, बांस फाटक होते हुए श्री काशी विश्वनाथ धाम में पहुंची। कलश यात्रा में 150 से अधिक की संख्या में महिलाएं पीला वस्त्र धारण कर हाथ में कलश गंगाजल लेकर ओम नमः शिवाय, ओम नमः शिवाय, हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ रास्ते भर चल रही थी। विशाल कलश शोभा यात्रा श्री काशी विश्वनाथ के धाम में पहुंचने पर श्री विशालाक्षी मंदिर के महत पंडित राजनाथ तिवारी, अजय शर्मा, नितिन तिवारी आदि लोगों ने बाबा का जलाभिषेक कर 108 कमल के फूलों से बाबा को भेंट किया तथा प्रसाद चढ़ाया।

मृतक के परिजनों से मिले ओमप्रकाश, बोले- मिलेगी हर संभव मदद; जौनपुर के युवक की वाराणसी में हुई थी मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। यूपी के जौनपुर में मकरा गांव स्थित शराब ठेका के पास मंगलवार की रात हुई थी। इस दिन दवा लेने आए युवक के साथ मारपीट में घायल युवक की वाराणसी निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जौनपुर के जलालपुर थाना क्षेत्र के मकरा गांव स्थित शराब ठेका के पास मंगलवार को हुई मारपीट में घायल युवक पंकज राजभर (24) की वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर शुक्रवार को प्रदेश सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर के साथ पार्टी के सुभासपा के महासचिव अरविंद राजभर, जखनिया के विधायक बेदी राम और सुभासपा नेता जेपी सिंह ने पहुंचकर मृतक के माता-पिता से मिलकर घटना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। इसके साथ ही हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि घटना के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई है। अभी आगे भी पुलिस द्वारा जांच के दौरान कुछ मिलता है तो कार्रवाई की जाएगी। परिजनों से कहा कि दुख की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ खड़ी है। आश्वासन दिया कि किसी प्रकार की आपको कोई दिक्कत हो तो आप सीधे प्रभारी निरीक्षक या हम लोगों से मिलकर कह सकते हैं। अधिकारियों से मिलकर आपकी मदद की जाएगी।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा , जिला कमेटी संयुक्त बैठक हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रॉबर्ट्सगंज । सोनभद्र , भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा का जिला कमेटी एवं ब्रांच मंत्रियों की संयुक्त बैठक गुरुवार को नीलम देवी की अध्यक्षता में रॉबर्ट्सगंज के सिविल लाइन रोड कचहरी के पास प्रेमनाथ गुप्ता की आवास पर संपन्न हुआ । बैठक में सभी उपस्थित जिला कमेटी सदस्यों और ब्रांच मंत्रियों द्वारा क्षेत्र वाइज जिले की रिपोर्ट प्रेषित किया तत्पश्चात पार्टी को मजबूत और जन संगठनों का विस्तार करने पर जोर दिया गया , वहीं जनपद सोनभद्र में संचालित प्राइवेट पॉलिटेक्निक, आईटीआई और बी एड और बीटीसी स्तर की निजी स्कूल धड़ल्ले के साथ संचालित हो रही है जिनके द्वारा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं का लूट हो रहा है तथा उनके एजेंट अभिभावकों और छात्रों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर पहले एडमिशन कराते हैं बाद में मानक के विपरीत मनमाना वे हिसाब रूप से रुपया वसूल करते हैं । जिसके ऊपर जिला प्रशासन का कोई अंकुश नहीं है और नहीं कभी जांच किया जाता है। यह भी नहीं बताया जाता कि ऐसे संस्थानों का कोई शिकायत हो तो जिले में किस अधिकारी से किया जाए जिसका फायदा उठाकर शिक्षा माफियाओं का हौसला बढ़ा हुआ है । परिणाम स्वरूप गार्जियन को मजबूर हो फीस के अभाव में अपने बच्चों के शिक्षा को बीच में ही बंद करने के लिए विवश होना पड़ता है जिसके कारण बच्चों का समय और जीवन दोनों बर्बाद हो रहा है। इसके अलावा सोनभद्र के मुख्य मार्ग पर स्थित रेणुकूट से शक्ति नगर के सड़क पर वाहनों के जाम से आम जरूरतमंद लोगों की बढ़ रही परेशानियों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जिला कमेटी ने तय किया कि 5 दिसंबर 2024 को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर कानूनी कार्रवाई के लिए मांग पत्र को सौंपेगा । वहीं भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन - 29, 30, 31 ई को बुलंदशहर में होने जा रहा है उसमें जनपद सोनभद्र से पार्टी के सात सदस्यीय जिसमें एक महिला साथी होंगी का डेलीगेट जिला मंत्री .नंदलाल आर्य के नेतृत्व में शामिल होगा को भेजने का निर्णय हुआ है। बैठक में मुख्य रूप से - कामरेड नंदलाल आर्य जिला मंत्री का. प्रेमनाथ, विशंभर सिंह , पुरुषोत्तम , श्याम नारायण सिंह जिला मंत्री परिषद सदस्य व कामरेड पकडू सिंह, नीलम देवी, लल्लन राम, शिवकुमार उपाध्याय उर्फ गुड्डू जिला कमेटी सदस्य के साथ का.कंचन सिंह , का .राज नारायण सिंह , का. हनुमान प्रसाद ब्रांच मंत्री गणों का गरिमामयी उपस्थिति रही ।

पूज्य स्वामी महेश योगी प्रतिभागियों को करेंगे सम्मानित - धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । भारत सरकार की फिट इंडिया उद्देश्य के तहत उत्तर प्रदेश योगसना स्पोर्ट्स एसोसिएशन और धनवंतरी पतंजलि योग संस्थान के तत्वावधान में 30 नवंबर 2024 को योगासन प्रतियोगिता योग महोत्सव का आयोजन क्लब नम्बर 4 ओबरा सोनभद्र में किया जायेगा कार्यक्रम में मुख्य में मुख्य रूप से समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड, पुलिस महानिरीक्षक आर.पी.सिंह विंध्याचल ,जिलाधिकारी सोनभद्र ,संस्थान के संरक्षक रमेश सिंह, दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट के संस्थापक पूज्य स्वामी महेश योगी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रान्तों के योगा प्रतियोगिता में हजारों की संख्या में सम्मिलित होंगे योग प्रतिभागी । उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं धनवंतरी पतंजलि योग संस्थान द्वारा फिट इंडिया योजना के तहत योग प्रतियोगिता योग महोत्सव का भव्य आयोजन दिनांक 30 नवंबर 2024 को प्रातः 7:00 से क्लब नंबर चार ओबरा सोनभद्र में किया जाना सुनिश्चित हुआ है। जिसके क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र जयराम सिंह ने जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी ओबरा संस्थान के संरक्षक रमेश सिंह, योग गुरु आचार्य संस्थापक धनवंतरी पतंजलि ओबरा को अवगत कराते हुए बताया कि जनपद के समस्त माध्यमिक विद्यालयों /महाविद्यालय के पांच-पांच छात्र - छात्राओं उक्त योगसना योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना आवश्यक है । प्रतियोगिता में प्रतिभाग किये जाने हेतु पंजीकरण का समय 7:00 बजे से 8:00 तक निर्धारित किया गया है। जिसमें सभी प्रतिभागियों को अपने - अपने साथ आधार कार्ड एवं विद्यालय से निर्गत आईडी कार्ड की छाया प्रति साथ ले आना अनिवार्य है। साथ ही उन्होंने ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता टीम को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन पंजीकरण हेतु मोबाइल नंबर 7318493702 9451848184 ,94150 12909 पर संपर्क करने व सभी शिक्षण संस्थानो को कार्यक्रम में अपने विद्यालय में अध्यनरत पांच-पांच मतलब कुल मिलाकर 10 विद्यार्थियों को योगासन प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रतिभा का नेतृत्व विद्यालय के शिक्षक के साथ निर्धारित कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित हुआ फ्रेशर्स पार्टी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में बुधवार देर शाम को फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर जी.एस तोमर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कॉलेज की समन्वयक उपाध्यक्ष एस. जी.सी. ए. श्रीमती कल्पना सिंह के नेतृत्व में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का आगाज राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र तथा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मिर्जापुर के नव प्रवेशित छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया और गर्मजोशी से स्वागत किया। । तथा कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का बड़ा योगदान रहा सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रैंप वॉक ने इस आयोजन को यादगार बना दिया, जहां निर्णायक मंडल में विवेक देव पांडेय, भावना त्रिवेदी, दीप्ति चौबे, दिलीप कुमार यादव और सोनू सिंह शामिल थे। सोनभद्र में मिस फ्रेशर का खिताब शिखा मिश्रा कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग से और मिस्टर फ्रेशर का खिताब विद्युत अभियन्त्रण से अमन मधेशिया को मिला, जबकि मिर्जापुर में सूचना प्रौद्योगिकी से अदिति यादव और मोहम्मद शाहिल ने यह खिताब जीता। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. हिमांशु कटियार, डॉ. विकास तिवारी और अन्य शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डी.के. त्रिपाठी और कुलसचिव डॉ. अमोद तिवारी ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया, और कार्यक्रम की समन्वयक कल्पना सिंह ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बरेली जैसे अधूरे पुल सोनांचल में भी, गूगल मैप के भरोसे न करें सफर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । सोनांचल में रात में यात्रा करते समय सतर्क रहें। सिर्फ गूगल मैप के सहारे ड्राइव न करें, इस तरह की लापरवाही जान पर भारी पड़ सकती है। कारण कि अभी कई पुलों का निर्माण अधूरा है। जहां कहीं पुल का निर्माण हुआ था वहां बरसात के दौरान सड़क और पुल दोनों क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जबकि गूगल मैप पर इन संपर्क मार्ग व पुल की स्थिति इससे इतर दिखाई देगी। ऐसे में किसी स्थानीय व्यक्ति से सड़क और पुल की स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही वाहन चलाना हित में होगा। तय समय बाद भी सोनांचल में अभी कई पुलों का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। जिले के नगवां ब्लॉक मुख्यालय से सेमरिया होते हुए केतार-किरहुलिया जाने वाले संपर्क मार्ग पर कर्मनाशा नदी पर लोक निर्माण विभाग पुल का निर्माण करा रहा है। तय समय बीतने के छह माह बाद भी अभी न तो पुल का निर्माण पूरा हुआ है और न ही पुल के दोनों तरफ सड़क ही बनी है। ऐसे में लोगों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिन में यह समस्या और भी बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों की मानें तो पुल निर्माण के लिए कुल सात पिलर खड़े किए जाने हैं। मगर अभी तक पांच पिलर का ही काम पूरा हुआ है। दो पिलर का काम अधूरा है। पुल के दोनों तरफ करीब 600 मीटर सड़क का निर्माण कराया जाना है, मगर अभी नहीं हो सका है। लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड द्वितीय की तरफ से यहां पुल का निर्माण कराया जा रहा है। गूगल मैप पर सर्च करके नगवां ब्लॉक मुख्यालय से किरहुलिया संपर्क मार्ग की स्थिति देखने पर रास्ता क्लियर दिखाई देता है। यदि गूगल के भरोसे इस रास्ते पर कोई व्यक्ति वाहन चलाता है तो उसके साथ बरेली जनपद जैसा हादसा हो सकता है। इसी तरह नगवां ब्लॉक के दरेंव गांव के पास नयनदह नदी पर बने पुल के पास सड़क बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। घोरावल ब्लॉक के शिल्पी-कोड़ारी मार्ग पर - सोन नदी पर कोलियाघाट के पास बन रहे सेतु का निर्माण अधूरा है। 2016 से चल रहा निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। घोरावल ब्लॉक के मुड़ीलाडीह गांव में बेलन नदी पर पुल का निर्माण वर्षो से अधूरा है। मड़िहान-घोरावल मार्ग पर बकहर नदी पर भी पुल का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में यहां भी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। सड़कों के किनारे टूटे पुल व पुलिया तथा खुले नाले हादसे का सबब बन रहे हैं। दुद्धी ब्लॉक के विंढमगंज के पास मुड़िसेमर-अमवार मार्ग पर सततवाहिनी नदी पर पुलिया टूट गई थी। इस पर लोगों ने विरोध जताया। इसका असर रहा कि वहां संकेतक बोर्ड लगवाया गया। इसी तरह से अन्य स्थानों पर जहां पुल एवं पुलिया क्षतिग्रस्त है, वहां संकेतक लगवाए जाने की मांग की जा रही है।

एडी बेसिक ने रोका तीन बीएसए का एक दिन का वेतन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। मंडलायुक्त की बैठक में नहीं पहुंचने पर एडी बेसिक शेषबाला वर्मा ने मंडल के तीनों जिलों मिर्जापुर, सोनभद्र व भदोही के बीएसए का बृहस्पतिवार का वेतन रोक दिया है। उन्होंने बताया कि सोमवार को मंडलायुक्त की बैठक थी। इसके लिए बीएसए को सूचना भी दी गई थी, लेकिन बैठक में नहीं पहुंचे। इसके बाद बृहस्पतिवार को भी मंडलायुक्त की बैठक में भी कोई नहीं गया, जबकि सभी को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया था। बृहस्पतिवार को सोनभद्र के बीएसए ने खंड शिक्षाधिकारी चतरा को भेज दिया, लेकिन बैठक में वे कुछ जानकारी नहीं दे पाए। बीएसए मिर्जापुर ने सीयूजी नंबर पर न कॉल रिसीव किया और न ही वापस बात की। इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। इसके साथ ही मध्याह्न भोजन व विद्यार्थियों की उपस्थिति भी कम हो रही है। इससे सीएम डैशबोर्ड पर मंडल की रैंकिंग खराब हो रही है। एडी बेसिक ने बताया कि जिलाधिकारी मिर्जापुर ने भी कहा कि बीएसए द्वारा अध्यापकों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। एडी बेसिक ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की जा रही है। इसलिए तीनों जिलों के बीएसए का एक दिन का वेतन रोक दिया गया है।

बकाया रायल्टी की वसूली के लिए एसडीएम सदर ने की जांच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। जिले के ईंट भट्ठों पर बकाया रायल्टी की वसूली के लिए बृहस्पतिवार को एसडीएम सदर गुलाब चंद्र के नेतृत्व में टीम ने तहसील क्षेत्र के 97 से ईंट भट्ठों पर छापा मारकर जांच की। इस दौरान एसडीएम ने भट्ठा संचालकों को 24 घंटे के अंदर बकाया जमा नहीं करने पर ईंट भट्ठा सीज करने की चेतावनी दी। सदर तहसील क्षेत्र में 100 के आसपास ईंट भट्ठा संचालित हैं। इन पर करीब 51 लाख रुपये का बकाया है। कुछ ईंट भट्ठा संचालक कई साल से रायल्टी का भुगतान नहीं कर रहे हैं। इसकी जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व एडीएम शिवप्रताप शुक्ल ने एसडीएम को कार्रवाई कर बकाया वसूली का निर्देश दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम सदर की टीम ने बृहस्पतिवार को सुबह से ही ईंट भट्ठों पर जांच का अभियान शुरू कर दिया। एसडीएम बृहस्पतिवार को सुबह जब ईंट भट्ठे पर पहुंचे तो वहां मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। यह मालूम होने पर बकाया रायल्टी की वसूली के लिए टीम आई है, ईंट भट्ठा संचालक ने भुगतान के लिए समय मांगा, लेकिन एसडीएम ने कार्रवाई की बात की। चेतावनी दी कि 24 घंटे में बकाया रायल्टी का भुगतान नहीं करने पर ईंट भट्ठा सीज कर दिया जाएगा। इसके बाद शाम तक 12 ईंट भट्ठों से 10 लाख रुपये की वसूली की गई। एसडीएम गुलाब चंद्र ने बताया कि पूरा बकाया नहीं जमा करने पर संबंधित ईंट भट्ठे को सीज कर दिया जाएगा।

कमरे में फंदे से लटककर मजदूर ने दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। चील्ह बाजार निवासी मजदूर ने बृहस्पतिवार को सुबह कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची चील्ह पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।क्षेत्र निवासी सुरेंद्र निषाद (35) मजदूरी करते थे। वे बुधवार की रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए। पत्नी बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सो रही थी। रात में सुरेंद्र कमरे के टिन शेड में लगे बांस पर लूंगी के फंदे से लटककर जान दे दी। बृहस्पतिवार को सुबह कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों ने आवाज लगाई। दरवाजा न खुलने पर झरोखे से देखा तो वह फंदे से लटक रहा था। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से नीचे उतारा। तब तक सुरेंद्र की मौत चुकी थी। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उससे दो पुत्र और एक पुत्री हैं। छोटे भाई नागेश्वर निषाद ने बताया कि भाई सुरेंद्र ने फंदे से लटककर जान दे दी है। उसने ऐसा क्यों किया, इस बारे में किसी को कुछ नहीं पता है। प्रभारी थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मारपीट करने वाले टोलकर्मियों पर नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अदलहाट। वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर स्थित फत्तेपुर टोल प्लाजा पर बीते बुधवार की रात करीब आठ बजे अंतिम संस्कार से लौट रहे लोगों के साथ टोल कर्मियों ने मारपीट की। इस मामले में तहरीर दिए जाने के बाद भी बृहस्पतिवार को देर शाम तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। समदपुर गांव निवासी चंद्रमा पटेल ने 27 नवंबर को रात में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि वे अपने दादा का नरायनपुर रैपुरिया घाट पर अंतिम संस्कार कर घर लौट ररे थे। रास्ते में फत्तेपुर पहुंचने पर गाड़ी में लगे फास्ट टैग में पैसा होने के बावजूद टोल प्लाजा के स्कैनर से पैसा नहीं कट पा रहा था। इस पर टोल कर्मियों ने नकद पैसे की मांग की। उन्होंने नकद पैसे नहीं होने का हवाला देते हुए टोलकर्मियों से फास्ट टैग से ही पैसा काटने के लिए कहा। इसी बात पर कहासुनी होने लगी। उन्होंने आरोप लगाया है कि कहासुनी के दौरान ही 20-25 की संख्या में टोल कर्मी उन्हें मारने-पीटने लगे और उनका मोबाइल फोन भी छीन लिया। एएसपी ऑपरेशन ओमप्रकाश सिंह के निर्देश पर उनका मेडिकल कराया गया। थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्र ने बताया कि सीसी फुटेज की जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

टोल प्लाजा पर मारपीट और फायरिंग करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अदलहाट। फत्तेपुर स्थित टोल प्लाजा पर दो दिन पहले टोल कर्मियों के साथ हुई मारपीट व फायरिंग के मामले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लाइसेंसी राइफल और कारतूस बरामद हुए। एसीपी टोलवेज के उपमहाप्रबंधक रमजान अब्दुल्ला पटेल ने तहरीर देकर बताया कि 26 नवंबर की रात स्कॉर्पियो व फॉर्च्यूनर दो वाहन टोल नंबर एक व दो पर पहुंचे। दोनों वाहनों में आठ-नौ की संख्या में बैठे लोग उतर कर कर्मचारियों को गाली देने लगे। साथ ही बैरियर हटाने का प्रयास करने लगे। टोल कर्मियों तथा गार्ड ने रोकने का प्रयास किया तो उनसे मारपीट की। जान से मारने की नीयत से पिस्टल व राइफल से चार से पांच राउंड फायरिंग की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सात नामजद और दो अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया। थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर टोल कर्मियों के साथ हुई मारपीट की घटना में शामिल तीन आरोपियों अरुण सिंह निवासी पटेहरा, राकेश सिंह निवासी बभनी जनपद सोनभद्र व राम शिरोमणि शुक्ला निवासी पोस्ट उमरिया सारी जनपद प्रयागराज को कौड़िया कला से गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हैं।

बिजली का निजीकरण कल्याणकारी राज्य के विरुद्ध - एआईपीएफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र,लखनऊ,। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का फैसला कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के खिलाफ है और आने वाले समय में इससे किसानों, मजदूरों, छोटे-मझोले व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहद महंगी बिजली खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसलिए जन विरोधी इस फैसले को सरकार तत्काल वापस ले। यह मांग आज ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की प्रदेश कमेटी की तरफ से प्रेस को जारी बयान में उठाई गई। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश संगठन महासचिव दिनकर कपूर ने कहा कि आजादी के बाद ग्रहण किए गए संविधान में राज्य की भूमिका कल्याणकारी राज्य के रूप में की गई थी। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, बिजली, पानी जैसे बुनियादी क्षेत्र आम नागरिकों को उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी थी। अब सरकार इससे पीछे हट रही है। बिजली जैसे क्षेत्र को निजी क्षेत्र में सौंपना महंगाई की मार से पहले से ही पीड़ित आम जनता पर कहर ढ़ाहना है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बिजली के निजीकरण के जितने भी प्रयोग थे वह विफल साबित हुए हैं। उड़ीसा में बिजली के निजीकरण की नीति को सरकार को वापस लेना पड़ा। आगरा में टोरेंट पावर के निजीकरण में खुद सीएजी रिपोर्ट में करोड़ों रुपए के घोटाले होने की और प्रदेश सरकार को राजस्व हानि होने की बात सामने आई। महाराष्ट्र और मुख्यतः मुंबई में निजीकरण के कारण आम आदमी को बेहद महंगी बिजली खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और उसका भी रेट विभिन्न समय के अनुसार भिन्न-भिन्न है। वास्तविकता यह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब-जब सत्ता में आती है, बिजली के निजीकरण को तेज किया जाता है। एनरान से बिजली समझौता, राज्य विद्युत बोर्ड का विभाजन, विद्युत कानून 2003 और विद्युत संशोधन अधिनियम 2022 भाजपा के राज में ही हुआ है। कुछ चंद कारपोरेट घरानों को पूरे देश और प्रदेश की बिजली व्यवस्था सौंपने में सरकारें लगीं हैं।उन्होंने कहा कि दरअसल प्रदेश में बिजली विभाग को हो रहे घाटे के पीछे भी सरकार की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। सस्ती बिजली पैदा करने वाले अपने उत्पादन गृहों से सरकार थर्मल बैंकिंग कराती है और उसी समय कॉर्पोरेट घरानों से बेहद महंगे दाम पर बिजली की खरीद की जाती है। बिजली के दुरुपयोग की हालत यह है कि यदि सचिवालय में ही लोग चले जाएं तो बहुत बड़ा बिजली का खर्चा वहां चलाए जा रहे एसी और तमाम संयंत्रों में दिखाई देगा। जो घाटा आज बताया जा रहा है उसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी विभागों में बिजली बिल के बकाए का है। यदि उसे ही सरकार वापस कर दे तो बकाया की धनराशि काफी कम हो जाएगी।उन्होंने कहा कि सरकार का यह कहना कि निजीकरण के कारण कर्मचारी हित प्रभावित नहीं होंगे पूर्णतया गलत है। साफ है कि निजीकरण के बाद बड़े पैमाने पर इंजीनियर से लेकर कर्मचारियों की छटंनी होगी और इस बात को जानते हुए ही सरकार ने वीआरएस जैसी बात की है। सबसे बड़ी मार तो इन वितरण निगमों में कार्यरत ठेका मजदूरों पर गिरेगी जिन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा और उनकी कोई भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाएगी।उन्होंने कहा कि बिजली का निजीकरण दरअसल संसद में लंबित विद्युत संशोधन अधिनियम 2022 का ही अंग है। जिसमें सरकार ने क्रॉस सब्सिडी और सब्सिडी की प्रक्रिया को ही खत्म कर दिया गया है। जिसके तहत किसानों को सिंचाई और कृषि कार्य के लिए मिल रही सस्ती बिजली का खत्म हो जाएगी। उन्होंने प्रदेश के तमाम विपक्षी दलों, किसान संगठनों, मजदूर और कर्मचारी संगठनों व गणमान्य नागरिकों से इस निजीकरण के विरुद्ध खड़े होने की अपील की है साथ ही निजीकरण के खिलाफ एआईपीएफ जन संवाद करेगा।

22 दिन में 150 लोगों ने जमा किए 50 लाख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । परिवहन विभाग की एकमुश्त समाधान योजना को लेकर वाहन स्वामियों में उत्साह है। योजना लागू होने के 22 दिन में 150 वाहन मालिकों ने बकाया जमा किया है। इससे विभाग को 50 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। इस योजना के लाभ के लिए 180 लोग आवेदन कर चुके हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि आगे बेहतर परिणाम होंगे। इस दौरान एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव ने बताया कि दो सप्ताह के भीतर विभाग को महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि और भी वाहन स्वामी इसका लाभ उठाएंगे। परिवहन विभाग ने एकमुश्त समाधान योजना छह नवंबर से लागू की है। इसके तहत वाहन स्वामियों को बकाया टैक्स जमा करने पर ब्याज में छूट का लाभ मिलेगा।

वन विभाग कोन की कार्यप्रणाली जिम्मेदार मौन, लोगों ने की संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । ओबरा वन प्रभाग के वन रेंज कोन भ्रष्टाचार को लेकर काफी चर्चित है। इसी क्रम में बतातें चलें कि वन रेंज में चाहे अबैध बालू खनन का मुद्दा हो या वन भूमि कब्जा यह कोई नया नहीं है।वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कोन वन रेंज के अन्तर्गत तीन सेक्शन है जिसमे कि हर सेक्शन में सीनियर दरोगा मौजूद हैं पर किन कारणों से एक ही जूनियर वन दरोगा को सम्पूर्ण सेक्शन का चार्ज दिया गया जो समझ से परे है। इस संबंध में समाजसेवी राजन जायसवाल ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि कोन वन रेंज में अबैध खनन व वन भूमि पर अबैध कब्जा करना नई बात नहीं है। गौरतलब है कि वन रेंज में एक ही सेक्शन में कई वर्षों से वन कर्मी जमे होने व जिम्मेदार अधिकारियों के संरक्षण में सेक्शन में तैनात जूनियर वन दरोगा को सम्पूर्ण सेक्शन का चार्ज दे दिया गया जिससे क्षेत्रों में भ्रस्टाचार इस कदर बढ़ गया है जिससे भ्रस्टाचारियों के हौसलें बुलंद है और भ्रस्टाचारियों को बचाने के लिए जिम्मेदारों ने मौन सहमति दे रखा है। जिससे विभाग के आलाधिकारी की संलिप्ता से इंकार नहीं किया जा सकता है।इसी क्रम में बतातें चलें कि ओबरा वन प्रभाग के कोन वन रेंज के अन्तर्गत तीन सेक्शन है जैसे कि 1- हर्रा सेक्शन वहीं तैनात सीनियर वन दरोगा प्रकाश चंद पांडेय, सुदर्शन प्रसाद हैं और 2-कोन सेक्शन के अन्तर्गत सीनियर वन दरोगा जीतेंद्र कुमार व 3-भालूकुदर सेक्शन के अन्तर्गत सीनियर वन दरोगा - मनोज कुमार हैं पर इन सीनियर वन दरोगा के रहते आखिर जूनियर वन दरोगा अभिषेक सिंह को किन परिस्थियों में सम्पूर्ण सेक्शन की जिम्मेदारी दी गई है। जिसके संबंध में कुछ जानकारों का कहना कि वन क्षेत्राधिकारी कोन द्वारा क्षेत्रों में हो रहे भ्रस्टाचार पर पर्दा डालने व अबैध वसूली करने के उद्देश्य से किया गया है। जबकि हर सेक्शन में सीनियर वन दरोगा कार्यरत हैं जो कि स्वतःजाँच का विषय है। सूत्रों की मानें तो वन रेंज कोन के अन्तर्गत अबैध खनन, वन भूमि पर अबैध कब्जा आदि बदस्तुर् जारी है और वहीं विभाग द्वारा कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति किया जाता है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मांग किया है कि उक्त दरोगा की जिम्मेदारी तय करते हुए किसी एक सेक्शन का चार्ज व क्षेत्र में तैनात वन दरोगा की तैनाती वरिष्ठता क्रम के आधार पर करने की माँग की है ताकि क्षेत्रों में हो रहे भ्रस्टाचार पर लगाम लग सके।

स्पोर्ट्स

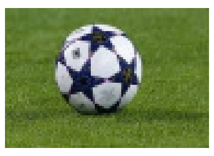
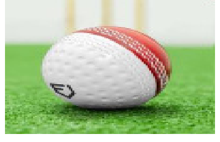

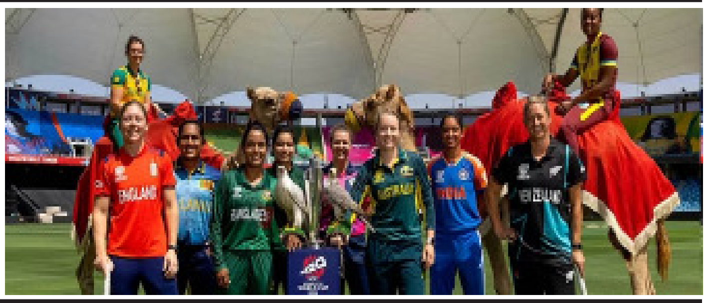

26/11 के बाद पीसीबी के बाद शाहिद अफरीदी की भी गीदड़भभकी, मेजबानी को लेकर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अफरीदी ने अगले साल पाकिस्तान में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की बैठक इस बैठक में टूर्नामेंट का कार्यक्रम तय किया जाएगा। अफरीदी ने अगले साल पाकिस्तान में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट पाकिस्तान के तीन स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे, लेकिन 2008 से पाकिस्तान का दौरा नहीं करने वाले भारत ने आईसीसी को बताया कि उनकी सरकार ने उन्हें इस महीने के शुरू में इस कार्यक्रम के

का समर्थन किया है। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर शुरू हुए विवाद पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से कई गीदड़भभकी आ चुकी हैं। अब इस मामले पर पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर और दिग्गज क्रिकेटर शाहिद अफरीदी का भी बयान आया है। उन्होंने भी गीदड़भभकी दी है। दरअसल, बीसीसीआई ने पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम को वहां भेजने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि भारत सरकार की नाराजगी के कारण भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। इसके बाद से पाकिस्तान क्रिकेट में कोहराम मचा हुआ है। पीसीबी द्वारा हाइब्रिड मॉडल से इनकार के बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी किसी और देश को सौंपने पर भी विचार कर रहा है। इसको लेकर शुक्रवार को मीटिंग भी होनी है। आईसीसी बोर्ड बोर्ड (पीसीबी) का समर्थन किया है। अनुभवी ऑलराउंडर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर 'खेल के साथ राजनीति को जोड़ने' का आरोप लगाया और आईसीसी से निष्पक्षता बनाए रखने और अपने अधिकार का दावा करने का आह्वान किया। अफरीदी ने कहा कि मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद से पाकिस्तान पांच बार भारत की यात्रा कर चुका है। अफरीदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'खेल के साथ राजनीति को जोड़कर बीसीसीआई ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अनिश्चित स्थिति में पहुंचा दिया है। हाइब्रिड मॉडल के खिलाफ पीसीबी के रुख का पूरी तरह से समर्थन करते हैं। खासकर जब पाकिस्तान (सुरक्षा चिंताओं के बावजूद) ने 26/11 के बाद द्विपक्षीय सफेद गेंद सीरीज समेत पांच बार भारत का दौरा किया है। यह आईसीसी और उसके निदेशक मंडल के लिए निष्पक्षता बनाए रखने और अपने अधिकार का दावा करने का समय है।'चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले अगले साल फरवरी और मार्च में लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बुधवार को कहा था, 'यह संभव नहीं है कि हर बार पाकिस्तान हर टूर्नामेंट के लिए भारत जाकर खेलता रहे और भारतीय अधिकारी अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने के लिए भेजने से इनकार कर दें।' उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, लेकिन हम अच्छी खबर और फैसले लेकर आएंगे जिन्हें हमारे लोग स्वीकार करेंगे।' नकवी ने उम्मीद जताई कि पांच दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालने वाले जय शाह विश्व क्रिकेट और सभी सदस्य बोर्डों के हित में फैसले लेंगे। उन्होंने कहा, 'जय शाह दिसंबर में कार्यभार संभालेंगे और मुझे यकीन है कि एक बार जब वह बीसीसीआई से आईसीसी में चले जाएंगे, तो वह आईसीसी के लाभ के बारे में सोचेंगे और यही उन्हें करना चाहिए। जब भी कोई ऐसी भूमिका निभाता है तो उसे केवल उस संगठन के हितों पर विचार करना चाहिए।

आईसीसी की बैठक से ये 3 फैसले आ सकते हैं सामने, इन टूर्नामेंट्स पर भी चर्चा संभव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । शुक्रवार की बैठक का एकमात्र एजेंडा पाकिस्तान और भारत के प्रतिनिधियों को एक साझा मॉडल पर सहमत करना है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस बैठक के तीन संभावित परिणाम कौन-कौन से हैं... आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी को लेकर चल रहे विवाद का अंत 29 नवंबर कोई और विकल्प नहीं बचेगा। उन्हें नहीं चाहते हुए भी इस पर सहमति जतानी होगी। परिणाम 2: पाकिस्तान टूर्नामेंट के नए शेड्यूल को अस्वीकार या फिर उसका बहिष्कार कर सकता है। इससे आईसीसी को इसे यूएई या दक्षिण अफ्रीका जैसे किसी अन्य देश में स्थानांतरित करने पर मजबूर करेगा।परिणाम 3:

यानी शुक्रवार को हो सकता है। इस दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बाकी सदस्य देशों के साथ बैठक करने वाला है। टूर्नामेंट पर खतरे के बादल तब मंडराने लगे, जब बीसीसीआई ने भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर भारतीय टीम को प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया। दूसरी ओर पीसीबी ने भी टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में कराने से इनकार कर दिया था।इसके बाद कोई हल निकालने की जिम्मेदारी आईसीसी पर आई और अब वह बीच का रास्ता तय कर टूर्नामेंट को आकार देने के रास्ते पर हैं। शुक्रवार की बैठक का एकमात्र एजेंडा पाकिस्तान और भारत के प्रतिनिधियों को एक साझा मॉडल पर सहमत करना है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस बैठक के तीन संभावित परिणाम कौन-कौन से हैं...परिणाम 1: आईसीसी हाइब्रिड मॉडल पर भारत का साथ दे सकता है और पाकिस्तान के पास इसे स्वीकार करने के अलावा अगर कोई समाधान नहीं मिलता है तो टूर्नामेंट को रद्द कर दिया सकता है या अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया जा सकता है। इसके परिणास्वरूप सभी को एक बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है।चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने से भारतीय टीम के इनकार का असर पाकिस्तान टीम की भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ना तय है। अगर चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से बाहर (पूरी तरह या आंशिक रूप से) स्थानांतरित किया जाता है, तो पीसीबी भारत में भविष्य में आईसीसी आयोजनों का बहिष्कार कर सकता है। हालांकि, आईसीसी के लिए फिलहाल प्राथमिकता चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए रास्ता निकालना है। अगर यहां सबकुसही रहता है तो आगे रास्ता खुद ही निकाला जा सकेगा। आगे जो टूर्नामिंट्स भारत में होने हैं, उनमें ये शामिल हैं..2025: महिला वनडे विश्व कप2025: पुरुषों का एशिया कप2026: पुरुष टी20 विश्व कप (श्रीलंका के साथ2029: पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2031: वनडे विश्व कप (बांग्लादेश के साथ)।

ऑस्ट्रेलिया सरकार का यह मंत्री भी है कोहली का प्रशंसक, भारतीय बल्लेबाज के साथ साझा की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम और ऑस्ट्रेलिया की पीएम इलेवन टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के सहायक विदेश मंत्री टिम वॉट्स भी कोहली के फैन हैं और उन्होंने पार्लियामेंट हाउस में कोहली के साथ मुलाकात

से संसद में मुलाकात की थी। इस दौरान वॉट्स भी मौजूद थे और उन्होंने इंस्टाग्राम पर भारतीय बल्लेबाज के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की।भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक दुनिया भर में हैं। कोहली फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं और की। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम और ऑस्ट्रेलिया की पीएम इलेवन टीम से संसद में मुलाकात की थी। इस दौरान वॉट्स भी मौजूद थे और उन्होंने इंस्टाग्राम पर भारतीय बल्लेबाज के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की। उन्होंने इसके साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जर्सी पहने भी अपनी एक तस्वीर शेयर की। वॉट्स ने कोहली के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया और बताया कि वह आईपीएल में आरसीबी का समर्थन करते हैं क्योंकि वही एक समय है जब वह कोहली का समर्थन कर सकते हैं। वॉट्स ने कोहली की ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी को स्वीकार किया और कहा कि कोहली वर्षों से कंगारू टीम के खिलाफ कितना अच्छा खेलते आए हैं। वॉट्स ने कैप्शन में लिखा, पार्लियामेंट हाउस में आज प्रधानमंत्री एकादश के खिलाड़ी और भारतीय टीम के साथ मिलना सुखद रहा। मैंने कोहली से कहा कि मैं आईपीएल में आरसीबी का समर्थन करता हूं क्योंकि एक वही समय है जब मैं उनके लिए चियर कर सकता हूं। मुझे उन्हें खेलते देखना पसंद है क्योंकि वह किसी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की तरह ही खेलते हैं, लेकिन तब अच्छा नहीं लगता जब वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय टीम के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं थी।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के भारतीय टीम से मिलने पर खुश हुए पीएम मोदी, सीरीज को लेकर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय टीम के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं थी। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। भारत ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के कैनबरा में भारतीय टीम से मिलने पर खुशी जाहिर की है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम और ऑस्ट्रेलिया की पीएम इलेवन टीम ने संसद में

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। भारत ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय टीम के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'इस सप्ताह मनुका ओवल में एक शानदार भारतीय टीम के खिलाफ पीएम इलेवन के लिए बड़ी चुनौती है। लेकिन जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा मैं जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का समर्थन कर रहा हूं।

टेस्ट क्रिकेट के अपने न्यूनतम स्कोर पर ऑलआउट हुई श्रीलंकाई टीम, मार्को यानसेन ने झटके सात विकेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली ।यानसेन ने अपने करियर का शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 रन देकर सात विकेट झटके और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को कुल 14 ओवर भी टिकने नहीं दिया। तेज गेंदबाज मार्को यानसेन की धारदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने डरबन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी महज 42 रन पर ऑलआउट कर दी। श्रीलंका के टेस्ट इतिहास का यह न्यूनतम स्कोर है। यानसेन ने अपने करियर का शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 रन देकर सात विकेट झटके और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को कुल 14 ओवर भी

टिकने नहीं दिया। यानसेन ऑस्ट्रेलिया के ह्यूज ट्रम्बल (इंग्लैंड के खिलाफ 1904 में) के बाद टेस्ट पारी में सात ओवर के अंदर सात विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। यानसेन के अलावा गेराल्ड कोएट्जे ने 18 रन देकर दो विकेट और कगिसो रबाडा ने 10 रन देकर एक विकेट लिया। श्रीलंका की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम 50 रन भी पूरे नहीं कर सकी। उसकी तरफ से कामिंदु मेंडिस 13 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। उनके अलावा लाहिरु कुमारा ने नाबाद 10 रन बनाए। मेंडिस और लाहिरु के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज दहाई अंक के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

बैठक में बोर्ड सदस्यों के सामने ये दो प्रस्ताव रख सकता है आईसीसी, एक में फाइनल की संभावना पाकिस्तान में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली ।आईसीसी पैनल के सामने दो प्लान रख सकती है। इसके लिए सदस्य बोर्डों के बीच मतदान भी हो सकता है। बहुमत का फैसला अंतिम होगा और फिर पीसीबी को अपनी दिशा तय करनी होगी। आईसीसी और इसके सभी सदस्य देश शुक्रवार को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तारीखों और स्थल पर चर्चा के लिए वर्चुअल बैठक करेंगे। टूर्नामेंट 19 फरवरी से प्रस्तावित और इसमें अब 100 से भी कम दिन बचे हैं। ऐसे में अब तक सारे पहलुओं को अंतिम रूप दे दिया जाना चाहिए था, लेकिन बीसीसीआई के भारतीय क्रिकेट

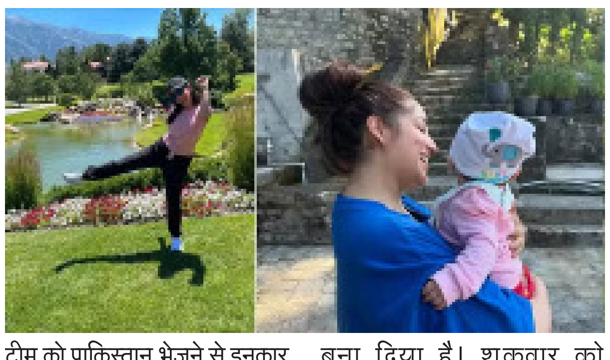

टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने से इनकार करने ने मामले को जटिल बना दिया है। शुक्रवार को आईसीसी के 12 पूर्ण सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, एसोसिएट देशों के तीन, एक स्वतंत्र निदेशक के अलावा आईसीसी चेयरमैन और सीईओ के बैठक में हिस्सा लेने की उम्मीद है इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी पैनल के सामने दो प्लान रख सकती है। पहला यह कि भारत के ग्रुप चरण के तीन मैचों का आयोजन किसी तटस्थ स्थान पर करना है। अगर टीम इंडिया नॉकआउट में पहुंचती है तो सेमीफाइनल और फाइनल किसी तटस्थ देश में आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए यूएई के साथ पाकिस्तान की भौगोलिक निकटता के कारण संभावित विकल्प है। इससे अन्य टीमों के लिए देश की यात्रा करना आसान हो जाएगा। दूसरी योजना यह है कि अगर भारतीय क्रिकेट टीम नॉकआउट के लिए क्वालिफाई नहीं करती है, तो सेमीफाइनल और फाइनल दोनों पाकिस्तान में होंगे। इसके लिए सदस्य बोर्डों के बीच मतदान भी हो सकता है। बहुमत का फैसला अंतिम होगा और फिर पीसीबी को अपनी दिशा तय करनी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट 19 दिन तक चलेगा। 19 फरवरी से नौ मार्च तक यह टूर्नामेंट होना है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

लिरेन के खिलाफ चौथी बाजी में बढ़े मनोबल के साथ उतरेंगे गुकेश, दोनों खिलाड़ी समान अंक पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैंपियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। इससे पहले गुकेश को शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ़-डेढ़ अंक हैं।भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बढ़ा हुआ होगा। 18 साल के गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चैंपियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की थी।क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैंपियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। इससे पहले गुकेश को शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ़-डेढ़ अंक हैं। पहली बाजी में शिकस्त का सामना करने वाले गुकेश ने स्पष्ट रूप से अपने खेल

के स्तर को ऊंचा किया और बेहतर तैयारी दिखाई है। लिरेन को तीसरी बाजी में चालों की गणना करने में गलती का खामियाजा उठाना पड़ा। उन्होंने इस दौरान बहुत अधिक समय लिया जिससे उनके लिए चीजें जटिल होती चली गई। खेल के पहले 120 मिनट में से 40 चालों तक समय में कोई इजाफा नहीं किया जाता। बीच में मुकाबला जटिल होने से लिरेन पर असर पड़ा और गुकेश ने सटीक चालों से उन पर दबाव बढ़ा दिया। 13वीं चाल तक गुकेश के पास एक घंटे की बढ़त थी और उन्होंने सिर्फ चार मिनट खर्च किए थे। लिरेन ने दूसरी तरफ एक घंटा और छह मिनट लगा दिए थे। इससे पहले शुरुआती मुकाबले में गुकेश को बाजी के बीच में गैर जरूरी ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा जिससे चीन के मौजूदा चैंपियन को जीत से आगाज करने का मौका दिया। गुकेश ने दूसरी बाजी में अच्छी वापसी करते हुए लिरेन को बराबरी पर रोका। यह मुकाबला केवल 23 चालों तक चलसफेद मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज करने के बाद गुकेश ने कहा था, बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले दो दिन मैं अपने खेल से खुश था। तीसरी बाजी में मैंने और अच्छा खेला।

सम्पादकीय

चुनाव बाद ओझल होने वाले मुद्दे, शिक्षा; सेहत, पर्यावरण पर देना होगा ध्यान

देश की समस्याओं के समाधान के प्रति अनेक जनप्रतिनिधियों में संवेदना और इच्छाशक्ति की कमी का दूसरा उदाहरण शिक्षा क्षेत्र की लगातार बढ़ रही उस अस्वीकार्य स्थिति का है जिसके प्रति नीति निर्माताओं और इन्हें लागू करने वालों के अंदर एक उदासीनता की भावना निर्मित हो चुकी है। ऐसा कोई दल नहीं है जो संविधान के प्रति संपूर्ण समर्पण की दुहाई दिन प्रतिदिन न देता हो। हाल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में पूरे देश ने रुचि ली। चुनाव लोकतंत्र का आधार स्तंभ हैं। उनकी प्रक्रिया, शुचिता और परिणाम पर विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। चुनाव परिणामों पर चर्चा हर प्रजातांत्रिक देश के लोगों का ध्यान आकर्षित करे तो इसे लोकतंत्र व्यवस्था का अनिवार्य अंग मानते हुए सभी को संतुष्ट होना चाहिए। परिणाम के पश्चात जीतने वाले और न जीत पाने वाले के कार्यक्षेत्र और उत्तरदायित्व स्वतः ही निर्धारित हो जाते हैं।दोनों ही पक्षों को जनहित में अपने को समर्पित करना ही देश की लोकतांत्रिक अपेक्षा है। इसमें पारस्परिक सहयोग की कोई मनाही नहीं है। विजेता को जन-अपेक्षाओं को पूरा कर सकने की क्षमता के उपयोग में लग जाना चाहिए और हारे हुए को जन-सेवा में अपने को समर्पित करने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए।चुनाव-चर्चा अब देश और संचार माध्यमों का प्रिय शगल बन गया है। देश के संचार माध्यम दलगत राजनीति से जुड़े हुए नेताओं, उनके वक्तव्यों और उसके विश्लेषण पर बहुत समय और स्थान को देते हैं। परिणामस्वरूप जिन समस्याओं और उनके त्वरित समाधान पर राष्ट्रव्यापी चर्चा होनी चाहिए, वह पीछे छूट जा रही है।महाराष्ट्र के चुनावों के समय वहां किसानों की आत्महत्याओं और सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के संबंध में कहीं कोई समाचार पढ़ने-सुनने को नहीं मिला। कोई प्रत्याशी या दल भी समयबद्ध सीमा में उनकी स्थिति सुधारने का संकल्प लेता नहीं दिखा। चुनावों के दौरान तो ऐसा लगा कि महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या जैसी कोई समस्या है ही नहीं।किसानों और उनकी समस्याओं को लेकर केवल किसान आंदोलन के दौरान संचार माध्यम स्थान और समय दे रहे थे। हालांकि उसमें भी उनकी समस्याओं का विश्लेषण कम और नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप ही अधिक प्राथमिकता पाते रहे। ऐसे आंदोलन जब समाप्त हो जाते हैं, तब लगता है कि अब उस समस्या का समाधान हो गया है। इस पर जिस गहन विचार विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।अनेक वर्षों से किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्या को लेकर आंकड़े देश के सामने कभी-कभी आ जाते हैं, लेकिन वे राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी चर्चा का विषय नहीं बनते, जो किसी समाधान तक पहुंच सकें। इसका समाधान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करना उनका संवैधानिक ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय उत्तरदायित्व है। कितने नव-निर्वाचित विधायक यह प्रण ले सकते हैं कि अगले तीन वर्षों में वे जीजान लगाकर किसानों की आत्महत्याओं को जनित करने वाली स्थितियों को समाप्त कर देंगे?सामान्य नागरिक की यह सहज जिज्ञासा है कि क्या इस देश के किसानों की आत्महत्या को रोक सकने लायक नीतियां और योजनाएं बनाने के लिए देश का राजनीतिक नेतृत्व एवं वरिष्ठ अधिकारी अक्षम हैं? क्या देश में ऐसे अध्ययनशील विद्वानों की कमी है, जो इससे जुड़ी समस्याओं को गहराई से समझते हों और उनके व्यावहारिक समाधान निकाल सकने की क्षमता रखते हों? देश में लगभग हर प्रांत में कृषि विश्वविद्यालय हैं।इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च नाम की एक प्रतिष्ठित संस्था भी है, जिसकी अनेक शाखाएं हैं और जिसके योगदान की सराहना देश-विदेश में की जाती है। भारत के विज्ञानियों और इस संस्था ने अनाज की कमी से जूझ रहे देश को कुछ दशकों के प्रयास के पश्चात उसका निर्यातक बना दिया। क्या इस संस्था को यह उत्तरदायित्व नहीं दिया जा सकता था कि वह ऐसी नीतियां बनाए, जिससे किसानों की समस्या सुलझ सके और बड़ी संख्या में हो रही आत्महत्याएं बंद हो सकें?देश में ऐसा कौन व्यक्ति है, जो किसानों के योगदान की प्राथमिकता को न जानता हो। शायद ही कोई हो, जो किसान की कठिनाइयों से पूरी तरह अपरिचित हो। देश में किसानों की आत्महत्या पर कष्ट हर उस व्यक्ति को होना चाहिए, जिसकी संवेदनाएं सजग हैं। जो यह आज भी याद करता है कि महात्मा गांधी चाहते थे कि हर व्यक्ति जो भी प्रकल्प हाथ में ले या नया रोजगार प्रारंभ करे या किसी परियोजना में हिस्सेदारी करे, उसे सबसे पहले यह विचार करना चाहिए कि इससे पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े हुए व्यक्ति के जीवन में क्या कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ सकेगा या नहीं।

रानी लक्ष्मीबाई की परछाई थी स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना और साहसी झलकारी बाई

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

की गवाह अनगिनत बहादुर हस्तियां रहीं लेकिन इतिहास की विडम्बना है कि चंद नामों को ही इतिहास अपनी पुस्तक में दर्ज होने का मौका देता है। अनगिनत नाम आज भी गुमनामी की किताब में मुस्कुरा रहे हैं। कुछ अमिट छाप छोड़ने वाले नाम किस्सों, कहानियों, लोकगीतों में इस तरह समा गए कि उनका अमर होना लाजिमी है। कुछ नाम यूं ही इतिहास से वर्तमान तक पहुंचने की फेहरिस्त की कतार में लगे हैं। कुछ नाम ही बहादुरी के पर्याय बन गए। झलकारी बाई का भी ऐसा ही नाम है जिसे इतिहास उसी सम्मान से निहारता है जैसे किसी क्रान्तिकारी वीर रानी को। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की कलम की जुबानी-सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह और मां जमुना देवी थी। बचपन में ही माता के देहांत हो जाने पर पिता सदोवर सिंह ने उनका लालन-पालन एक लड़के की तरह किया। झलकारी बचपन से ही निडर और बहादुर थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और हथियार चलाने का शौक उन्हें एक कुशल योद्धा में परिवर्तित करने का काम कर रहा था। तत्कालीन परिवेश में एक अति सामान्य परिवार में जन्मी कन्या को औपचारिक शिक्षा दिला पाना सरल न था। फिर भी एक कुशल योद्धा के रूप में झलकारी बाई का निर्माण हुआ। जंगल में लकड़ियां काटना, खेतों-खलिहानों में खुद को रोपना, पशुओं की देखभाल करना, झलकारीबाई के रोजमर्रा के काम थे। कहते हैं एक दिन जंगल में झलकारी का सामना एक तेंदुए से हो गया, झलकारी ने उसे सामान्य कुल्हाड़ी से मार डाला। गांव में खबर फैली और झलकारी बाई की बहादुरी के चर्चे होने लगे। फिर एक बार डकैतों के एक गिरोह के द्वारा गांव के एक व्यापारी पर हमला बोल दिया गया, झलकारी ने बहादुरी से उन डकैतों न केवल सामना किया बल्कि उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उसकी बहादुरी देख गांव में उसकी खूब प्रसंशा हुई और गांव वालों ने उसकी बहादुरी के कारण उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के बहादुर सैनिक पूरन सिंह कोली से करवा दिया।इतिहास की कहानियों और किस्सों में झलकारी का चित्र महारानी लक्ष्मीबाई के जैसा ही है। उन्हें इतिहास रानी की हमशक्ल बतलाता है। यकीनन इतिहास की घटनाएं उनमें दर्ज शौर्य-गाथाएं झलकारी बाई को महारानी लक्ष्मीबाई की परछाई दर्शाती हैं। जिसने न केवल अंग्रेजों अपितु भारतीयों को भी अचंभित किया हुआ था। कहते हैं झलकारी बाई गौरी पूजा के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई को सम्मान देने झांसी के किले में गयीं थी वहां दोनों की मुलाकात हुई रानी यह देखकर कि वह उनके जैसे ही दिखती हैं आश्चर्य चकित रह गयी। झलकारी के विषय में उनकी बहादुरी के किस्सों से प्रभावित होकर रानी ने उन्हें दुर्गा सेना में भर्ती कर लिया। झलकारी की प्रतिभा को रानी ने बखूबी तराशा। उन्हें तोप चलाना, तलवारबाजी, बंदूक चलाना आदि में महारथ हासिल करवायी। जल्द ही झलकारी महिला फौज की बहादुर कमाण्डर बन गयी। डलहौजी की हड़प नीति के तहत जब झांसी पर संकट के बादल मडराये झलकारी अग्रिम मोर्चे की योद्धा बनी। अप्रैल 1857 के युद्ध में रानी और उसकी महिला सेना महल के भीतर से ही मोर्चा संभाले हुए थी।ब्रिटिश सेना के सभी प्रहारों को नाकाम करती महारानी की सेना सम्भवतः ब्रिटिश सेना को वापस खदेडने में कामयाब भी हो जाती यदि, तभी रानी के एक सहयोगी राव दूल्हाजू की गद्दारी के कारण महल के द्वार ब्रिटिश सेना के लिए न खोले जाते तो शायद इतिहास बदल भी सकता था। हालांकि किले के द्वार खुलने की खबर झलकारी के इरादों पर भारी न कर सकी, उनकी रणनीति का परिणाम था कि रानी अपने कुछ विश्वासपात्र सैनिकों के साथ किले से निकलने में कामयाब हो गयी। कहते हैं झलकारी के पति पूरन की किले की रक्षा करते हुए शहादत हुई। झलकारी की वीरता का आंकलन करना आज भी संभव नहीं। पति की मृत्यु का शोक झलकारी बाई की पांव की बेड़ियां नहीं प्रेरणा की ढाल बना।

विपक्ष का कमजोर होना क्या ठीक है लोकतंत्र के लिए

यह सच है कि किसी भी लोकतंत्र में बहुमत पाने वाली पार्टी सत्ता पर काबिज होती है। लेकिन, यदि विजय एकतरफा हो तो वह जम्हूरियत के नजरिए से घातक भी होती है। इससे पहले 2019 के निर्वाचन में सत्तारूढ़ पार्टी अपने दम पर बहुमत लेकर आई थी तो उसका व्यवहार विपक्ष के साथ उपेक्षा भरा था। प्रतिपक्ष इतना दीन-हीन और बौना करते हैं। प्रतिपक्ष का क़द विधानसभा में अत्यंत नाटा है और वह सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की स्थिति में नहीं रहा है।विडंबना यह कि बीजेपी के सहयोगी दल

अधिनायकवादी बीजों के अंकुरित होने का खतरा बना रहता है। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए निर्वाचन का परिणाम कुछ ऐसा ही सन्देश देता है। कोई सरकार कितना ही अच्छा काम करे (जो कि उसका कर्तव्य है) मतदाताओं को उसे नियंत्रित करना ही होगा। किसी भी प्रजा तांत्रिक मुल्क में पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच स्वाभाविक संतुलन होना चाहिए। यदि सदन में पक्ष का आकार विराट और ट्रैक्टर के पहिए जैसा हो और प्रतिपक्ष का आकार दुर्बल और साइकल के पहिए की तरह हो तो लोकतंत्र की गाड़ी रफ्तार नहीं पकड़ सकती। यह ठीक वैसा ही होगा कि एक मरियल और निर्बल इंसान रिंग में उतरकर किसी पहलवान को चुनौती दे। ऐसे में सत्ताधारी पार्टी के खुद को तानाशाह समझने का खतरा विकराल हो जाता है। इसी बरस कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन ने जब लोकसभा चुनाव में 234 सीटें जीती और दस साल से सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। था कि सरकार के पूरे कार्यकाल में दर्प और घमंड वाली शैली पनपी थी। संसद में प्रतिपक्ष को भरोसे में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर चर्चा नहीं हुई और हिन्दुस्तान के सामने मुंह बाए खड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया। चाहे वह मंहगाई हो या बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार हो या लोकतांत्रिक संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण,सभी में प्रतिपक्ष का स्वर बेहद मद्धम था। यहां तक कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में ही बयान दे दिया कि पार्टी को उस संगठन की जरूरत नहीं है। यह सत्तारूढ़ दल का अहं भाव ही था।भारत के मतदाता ने इसे ताड़ लिया था। इसी वजह से 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम लोकतंत्र को संतुलित करते हुए आए थे। अब केंद्र सरकार बैसाखियों के सहारे है और प्रतिपक्ष मजबूत स्थिति में है तो भारतीय प्रजातंत्र संतोष कर सकता है। लेकिन महाराष्ट्र के हालिया परिणाम एक बार फिर यही अंदेशा उत्पन्न भी उसकी विराट जीत से आशंकित दिखाई देते हैं।सवाल यह भी खड़ा होता है कि 132 विधायक चुनकर विधानसभा में भेजने वाली पार्टी अपना मुख्यमंत्री क्यों न बनाए? क्या वह शिंदे को एक बार फिर स्वीकार करे ? जबकि शिंदे के पास बीजेपी के दावे को चुनौती देने वाला आंकड़ा नहीं है, हालांकि बिहार की तर्ज पर बीजेपी ऐसा कर सकती है ,पर यह भी हक़ीक़त है कि शिंदे ,नीतीश कुमार नहीं हैं।वैसे भी नीतीश कुमार अपनी कीकड़ बदन वाली पार्टी के साथ मुख्यमंत्री बने हुए हैं और बड़े आकार वाली बीजेपी वहां अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी तो यह मान्य लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। यदि शिंदे को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो फिर वे बीजेपी से उपकृत भाव के साथ काम करेंगे और महाराष्ट्र के लिए यह बेहतर स्थिति नहीं होगी।प्रत्येक सभ्य लोकतंत्र पक्ष और प्रतिपक्ष के एक सम्मानजनक आकार को पसंद करता है।कामयाबी शिखर को छूने वाली हो तो फिर ढलान में उतरने के अलावा कुछ नहीं होता।

जेल से लौटकर असली 'किंग' बने हेमंत सोरेन

झारखंड में इंडी गठबंधन सत्ता को बरकरार रखने में कायम रहा है। रुझानों में एक बार फिर हेमंत सोरेन सरकार बनती दिख रही है। भाजपा की कोशिश थी कि आदिवासी बाहुल्य राज्य में सत्ता परिवर्तन हो, लेकिन सात महीने पहले संपन्न लोकसभा चुनाव से स्पष्ट हो गया था कि भाजपा के लिए झारखंड में राह आसान नहीं है। राज्य में इंडी गठबंधन की जीत का श्रेय हेमंत सोरेन को जाता है। वही असली किंग बनकर उभरे हैं। हालांकि, उनके चार मंत्री हार की कगार पर दिख रहे हैं। राज्य के चुनावी नतीजों को देखने के लिए लोकसभा चुनाव-2024 की ओर जाना होगा। राज्य की 14 लोकसभा सीटों में भाजपा को आठ सीटें मिली थीं, जो वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से तीन कम थीं, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने तीन सीटें जीतीं और दो सीटों का उसे लाभ हुआ था। सहयोगी कांग्रेस ने भी दो सीटें जीती थीं और उसे एक का इजाफा हुआ था। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड में पूरी ताकत लगाई और बहुमत पाने का दावा किया, लेकिन भाजपा ने कुछ गलतियां भी झारखंड को लेकर कीं। विशेष कर हेमंत सोरेन को जेल भेजना पार्टी को भारी पड़ा। जेल जाने की सहानुभूति हेमंत सोरेन के पक्ष में गई है। लोकसभा चुनाव से आदिवासी वोट भाजपा से दूर होता दिख रहा था। राज्य की आदिवासियों के लिए रिजर्व पांचों सीटों पर भाजपा हार गई थी। चुनाव में भाजपा ने ध्रुवीकरण का कार्ड भी खूब खेला। आदिवासी बनाम मुस्लिम वोटों को लेकर बड़ा मुद्दा बनाया गया। हर सभा में बताया गया कि राज्य में आदिवासी कम हो रहे हैं और मुस्लिम आबादी बढ़ रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से लेकर भाजपा के हर स्टार प्रचारक ने झारखंड की डेमोग्राफी बदलने के मुद्दे को जोर-जोर से उठाया। खासकर बांग्लादेशी घुसपैठियों और धर्मांतरण पर फोकस किया गया। कैसे आदिवासी लड़कियों से शादी कर घुसपैठिए जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं? हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था भी एक बड़ा मुद्दा बनाया गया। जमानत पर जेल से बाहर आए हेमंत सोरेन ने आदिवासी अस्मिता के मुद्दे पर चुनाव लड़ा। उन्होंने और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने मिलकर राज्यभर में 200 से ज्यादा चुनावी सभाओं को संबोधित किया। कल्पना सोरेन ने अपनी सभाओं में महिलाओं पर फोकस रखा। हेमंत सोरेन सरकार की मंईयां सम्मान योजना ने तुरुप के पत्ते का काम किया। चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में हजार रुपए आना शुरू हो गए थे। सोरेन ने आगामी दिसंबर से महिलाओं के खातों में ढाई हजार रुपए डालने की घोषणा की है। महिलाओं में चुनाव को लेकर जबर्दस्त उत्साह भी शायद इसलिए दिखा। महिला वोटरों ने 81 में से 68 सीटों पर पुरुषों की तुलना में अधिक वोट डाले।हेमंत सोरेने ने अपने गठबंधन के साथी कांग्रेस को चुनाव में थोड़ा पीछे ही रखा। कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को छोड़कर कोई बड़ा नेता झारखंड में प्रचार के लिए नहीं आया। यहां तक की प्रियंका गांधी वाड्रा झारखंड में एक भी सभा करने नहीं आईं। झारखंड में जीत का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वो हेमंत सोरेन को जाता है।

पेंशन अदालतों में 70 फीसदी मामलों का समाधान पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के तहत 4,543 को लाभ

विपक्ष ने अदाणी, संभल हिंसा और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर लगातार तीसरे दिन संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दी। विपक्षी सदस्यों ने वेल में पहुंचकर अदाणी मुद्दे पर देश को लूटना बंद करो के नारे लगाए। वहीं, संभल हिंसा के दोषियों पर कार्यवाही की मांग की। विपक्ष ने राज्यसभा में कार्यस्थगन के लिए 16 नोटिस दिए गए, जिसे सभापति जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों को सभापति ने यह नसीहत भी दी कि इस तरह विरोध जताना लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के कई सवालों पर सरकार के मंत्रियों ने जवाब दिए। इसी क्रम में केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा को बताया कि 2019 से अब तक आयोजित पेंशन अदालतों में 8,300 से अधिक मामलों (लगभग 69.49 फीसदी) का समाधान किया गया। एक लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में आठ पेंशन अदालतें आयोजित की गईं। इनमें कुल 12,049 मामले उठाए गए। कुल मामलों में से 8,373 का समाधान किया गया है। ये अदालतें केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का समय पर और प्रभावी निवारण के लिए आयोजित की जाती हैं। ब्यूरो नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने संसद को बताया कि इस साल 14 नवंबर तक एयरलाइनों और हवाईअड्डों को बम की 999 फर्जी धमकियां मिलीं। पुलिस ने इस संबंध में 256 शिकायतें दर्ज की हैं और 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बताया कि 2022 में स्माइल योजना की शुरुआत से लेकर इस साल 11 नवंबर तक भिक्षावृत्ति में लिप्त 7,660 व्यक्तियों की पहचान की गई, जिनमें से 970 का पुनर्वास किया जा चुका है। राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत 4,543 लाभार्थी लाभ प्राप्त कर चुके हैं। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना 29 मई, 2021 को शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य उन बच्चों की सहायता करना है, जिन्होंने 11 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2022 तक कोविड-19 महामारी के कारण अपने माता-पिता या कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता या जीवित माता-पिता दोनों को खो दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के जवाब में कहा, 21 नवंबर, 2024 तक देशभर में 136 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं दे रही हैं। दिल्ली-काठगोदाम सेक्टर में तीन जोड़ी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें सेवाएं दे रही हैं। इसमें 12039/40 काठगोदाम-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस शामिल है।सरकार ने दिसंबर 2000 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत वर्तमान में संचालित टोल प्लाजा पर टोल टैक्स के रूप में 1.44 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान रोजगार मेलों के दौरान 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को अस्थायी रूप से चुना गया। उन्होंने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया, 2019-20 से 2023-24 के दौरान राज्य रोजगार कार्यालयों/मॉडल कॅरिअर केंद्रों ने 34,809 रोजगार मेले आयोजित किए। इसमें 26,83,161 युवाओं और 83,913 नियोक्ताओं ने हिस्सा लिया और 24,37,188 उम्मीदवारों को सूचीबद्ध किया गया।

राज्यसभा में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,100 से अधिक शिक्षण पद रिक्त हैं। मंत्री ने कहा, 31 अक्तूबर तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षक पद रिक्त थे। विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 7,650 से अधिक शिक्षक पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा, रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है। ये रिक्तियां सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्रों की बढ़ी हुई संख्या के कारण अतिरिक्त आवश्यकताओं के कारण उत्पन्न होती हैं। पदों को भरने की जिम्मेदारी केंद्रीय विश्वविद्यालयों पर है। मजूमदार ने कहा कि मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियमित रूप से संस्थानों की निगरानी करते हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नियमित रूप से रिक्तियों को भरने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार ने बताया कि कनाडाई अधिकारियों ने हाल ही में वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को बताया था कि उनकी ऑडियो-वीडियो निगरानी की जा रही है। यही नहीं, उनके निजी पत्राचार पर नजर रखने की भी बात कही गई थी। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा में कहा कि भारत सरकार ने इस मुद्दे पर नई दिल्ली में कनाडाई उच्चायोग के समक्ष 2 नवंबर को कड़ा विरोध दर्ज कराया था, क्योंकि यह सभी राजनयिक प्रावधानों का घोर उल्लंघन था। उन्होंने भारतीय राजनयिकों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कनाडा सरकार के संपर्क में रहने की जानकारी भी दी। एक अन्य सवाल पर विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि कनाडा के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण रहे हैं और आज भी हैं क्योंकि वहां की सरकार की ओर से ऐसे चरमपंथी एवं अलगाववादी तत्वों को राजनीतिक आश्रय प्रदान किया जाता है जो भारत विरोधी एजेंडे का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, एक दूसरे की संप्रभुता का सम्मान किसी भी स्थिर विपक्षीय संबंध के लिए आवश्यक शर्तें हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से सवाल पूछा था कि क्या यह सच है विगत में कनाडा के साथ भारत के संबंध खराब हुए हैं। विदेश राज्यमंत्री ने राज्यसभा में एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 141 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं, जिनमें से 45 पर मुकदमा चल रहा है, जबकि 96 सजा काट रहे हैं। निरंतर कूटनीतिक प्रयासों से सरकार ने इस वर्ष पकड़े गए 351 मछुआरों की रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित की है।

आधुनिक गवर्नेंस और लोकतंत्र के सिद्धांतों से मेल नहीं खाता

हालिया चुनावी विजय के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वक्फ कानून को जिस प्रकार आड़े हाथों लिया, उसने लंबे समय से चली आ रही बहस को एक नई हवा दी है। किसी भी आधुनिक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र में ऐसे कानून की उपस्थिति खटकती है। प्रधानमंत्री ने संवैधानिक मूल्यों की कसौटी के साथ ही इसकी वैधानिकता एवं प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाए। वक्फ कानून मनमानी शक्तियां प्रदान करता है। कई बार संपत्ति का अधिकार और विधिसम्मत प्रक्रियाएं भी इस कानून की बलि चढ़ जाती हैं। इस कानून को लेकर राजनीतिक तुष्टीकरण के चलते विधि के शासन और निष्पक्षता का पहलू गौण हो जाता है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। तमिलनाडु स्थित तिरुचेंदुरई के किसान राजगोपाल ने जब अपनी जमीन बेचनी चाही तो उन्हें पता चला कि वह तो वक्फ की संपत्ति है। उसके बाद वह तंत्र की जटिलता के चक्कर में फंसकर रह गए। ऐसे अंतहीन उदाहरण हैं जब इस कानून की वजह से लोगों को पुश्तैनी संपत्ति गंवानी पड़ी। इसके कारण अपनी पहचान और आजीविका के साधन गंवाने वालों की मुश्किलों की बस कल्पना ही की जा सकती है। असल में वक्फ कानून वक्फ बोर्डों को असीम अधिकार प्रदान करता है कि वे बिना औपचारिक प्रक्रिया के ही किसी भी जमीन या संपत्ति पर अपना दावा कर सकें। लोकतांत्रिक समाज में ऐसे स्वेच्छाचारी कानून की कोई जगह नहीं हो सकती और उसे निश्चित ही निरस्त कर देना चाहिए। वक्फ अधिनियम धार्मिक या धर्मादा उद्देश्यों के लिए अपरिवर्तनीय रूप से समर्पित

संपत्तियों को नियंत्रित करता है। यह कानून संपत्तियों को हमेशा के लिए वक्फ बोर्डों के नियंत्रण में करने का प्रविधान करता है। वक्फ बोर्ड उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना ही सरकारी या निजी किसी भी प्रकार की संपत्ति को अपना बताने लगते हैं। उन्होंने अपना समानांतर न्यायिक ढांचा तक बना लिया है, जहां अर्जी लगाने से लेकर पैरवी और फैसला सुनाने वाले सभी उनके लोग होते हैं। वक्फ के बेलगाम दावों के चलते देश भर में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "
FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)
FACILITIES
- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)
- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)
- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर पूरी दुनिया चुप क्यों है यूएससीआईआरएफ के पूर्व प्रमुख की धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के शीर्ष संगठन (ळएर्ण्ध्इ) के पूर्व आयुक्त जॉनी मूरे ने बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि 'मैं इस बात से हैरान हूं कि मौजूदा बाइडन सरकार हिंदुओं के हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि 'मैं इस बात से हैरान हूं कि मौजूदा बाइडन सरकार बांग्लादेश के हालात पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है। लेकिन कुछ ही हफ्तों में सरकार बदल जाएगी और डोनाल्ड ट्रंप सत्ता पर बहुत कम लोग इसके बारे में बोलते हैं। हम इसे बदलेंगे और पूरी दुनिया को इस मुद्दे पर ध्यान दिलाने की कोशिश करेंगे। यूएससीआरआईएफ के पूर्व आयुक्त मूरे ने बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार की भी

बांग्लादेश के हालात पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है।' बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर भारत में भारी गुस्सा है। हैरानी की बात ये है कि अमेरिका जो पूरी दुनिया में मानवाधिकारों का झंडाबरदार बनता है, उसकी तरफ से अभी तक बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। खुद अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के शीर्ष संगठन के पूर्व प्रमुख ने इसे लेकर अपनी ही सरकार से नाराजगी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आ रहे हैं और उनके आने से हालात जरूर बदलेंगे। अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के शीर्ष संगठन (ळएर्ण्ध्इ) के पूर्व आयुक्त जॉनी मूरे ने बांग्लादेश में काबिज हो जाएंगे। मुझे विश्वास है कि ट्रंप और उनकी टीम जो अमेरिकी मूल्यों की पक्षधर है और भारत को वे अपना मजबूत सहयोगी मानते हैं, उनके आने से हालात बदलेंगे।' मूरे ने कहा कि 'दुनिया में ऐसी कोई चुनौती नहीं है, जिसे भारत और अमेरिकी संस्कृति के विशेषज्ञ हल न कर सकें। मूरे ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता, ट्रंप सरकार की प्राथमिकता होगी।' मूरे ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर दुनिया, खासकर पश्चिमी देशों की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार संगठन और धार्मिक संगठन हर दूसरे मुद्दे पर आवाज उठाते हैं, लेकिन जब हिंदू समुदाय पर अत्याचार होता है तो दुर्भाग्य से आलोचना की और कहा कि जब मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने तो उन्होंने लोकतंत्र को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे, कानून के शासन और मूल्यों की बात की थी, लेकिन अब न सिर्फ बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों बल्कि पूरे देश के अस्तित्व को खतरा है। उन्होंने यूनुस सरकार पर बुरी तरह असफल रहने का आरोप लगाया। चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर नाराजगी जाहिर करते हुए मूरे ने कहा कि अगर बांग्लादेश पुलिस चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर सकती है तो वे किसी को भी गिरफ्तार सकते हैं। मूरे ने कहा कि वैश्विक ईसाई समुदाय बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के समर्थन में खड़ा है।

ईरान की धमकी- शिकंजा कसा तो परमाणु हथियार पर बैन हटाएंगे; नेतन्याहू बोले- रोकने के लिए कुछ भी करेंगे

ईरान। शुक्रवार को अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी से मिलने वाला है क्योंकि तीनों देशों की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था द्वारा तेहरान की निंदा करवाने के लिए अमेरिका के साथ हाथ मिला लिया है।बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और हिजबुल्ला ने शुरुआती दो महीने के लिए युद्ध विराम कर लिया है।इस बीच, ईरान और इस्राइल के बीच तनातनी दिख रही। एक तरफ तेहरान धमकी दे रहा है कि अगर पश्चिमी देशों ने उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो वह परमाणु हथियार हासिल करने पर लगे प्रतिबंध को खत्म कर सकता है। वहीं, इस पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी साफ-साफ कह दिया कि वह ईरान को रोकने के लिए 'सब कुछ' करेंगे। ईरान शुक्रवार को अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी से मिलने वाला है। इसके पीछे का कारण यह है कि तीनों देशों की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था द्वारा तेहरान की निंदा करवाने के लिए अमेरिका के साथ हाथ मिला लिया है। पिछले सप्ताह की फटकार के बाद तेहरान ने एक विद्रोही प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। मगर, उसके अधिकारियों ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने से पहले दूसरों के साथ बातचीत करने की इच्छा का संकेत दिया है। ईरान बहस को हवा दे रही है कि क्या देश को अपनी परमाणु नीति में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने ब्रिटेन के एक अखबार से कहा, 'फिलहाल हासिल करने से रोकने के लिए इस्राइल 'सब कुछ' करेगा। उन्होंने कहा, 'मैं इसे परमाणु (शक्ति) बनने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास

शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के अपने अधिकार पर जोर देता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, यह एकमात्र गैर-परमाणु-हथियार वाला देश है, जो 60 प्रतिशत तक यूरेनियम को समृद्ध कर रहा है। ईरान के शीर्ष राजनयिक ने इस मामले पर बात करने से पहले गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा कि अगर पश्चिमी देशों ने उन पर फिर से प्रतिबंध लगाए तो ईरान परमाणु हथियार हासिल करने पर लगा प्रतिबंध समाप्त कर सकता है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि प्रतिबंध हटाने जैसी प्रतिबद्धताओं को पूरा न किए जाने पर तेहरान में हताशा इस हमारा 60 प्रतिशत से आगे जाने का कोई इरादा नहीं है और अभी हमारा यही दृढ़ संकल्प है। मगर, ईरान में और अधिकतर अभिजात वर्ग के बीच यह बहस चल रही है कि क्या हमें अपने परमाणु सिद्धांत को बदलना चाहिए क्योंकि अब तक यह व्यवहार में नहीं दिखा हैतेहरान और प्रमुख शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते का उद्देश्य ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के बदले में पश्चिमी प्रतिबंधों से राहत देना था ताकि वह हथियार क्षमता विकसित करने से रोक सके। तेहरान ने लगातार परमाणु हथियार बनाने के किसी भी इरादे से इनकार किया है। इस बीच, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार करूंगा, मैं सभी संसाधनों का उपयोग करूंगा इस्राइल इस क्षेत्र का एकमात्र भले ही अघोषित परमाणु-सशस्त्र राज्य है। इसने लंबे समय से किसी भी प्रतिद्वंद्वी को अपने बराबर आने से रोकना अपनी सर्वोच्च रक्षा प्राथमिकता बना रखी है। नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा था कि अगले दिन लेबनान में लागू होने वाला युद्धविराम इस्राइल को ईरान पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देगा। उन्होंने यह नहीं बताया था कि उन्होंने क्या कार्रवाई की परिकल्पना की है। वहीं, नेतन्याहू ने गुरुवार को धमकी दी कि अगर हिजबुल्ला लेबनान के नाजुक संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है तो 'गहन युद्ध' किया जाएगा।

यूक्रेन पर रूस के हमले से तिलमिलाए बाइडन, बोले- कीव की तुरंत मदद करने की जरूरत

यूक्रेन। जो बाइडन को चिंता है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को मदद देनी बंद कर दी, तो इससे यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। बाइडन की चिंता जायज भी है क्योंकि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद की समीक्षा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अब कुछ ही दिन का समय बचा है और यही वजह है कि वे यूक्रेन को लेकर परेशान हैं। खासकर रूस ने यूक्रेन पर जो ताबड़तोड़ हमले किए हैं, उसके बाद तो बाइडन तिलमिला गए हैं। जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि रूस के यूक्रेन पर ताजा हमले बताते हैं कि हमें यूक्रेन की तुरंत मदद करने की जरूरत है। दरअसल जो बाइडन को चिंता है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को मदद देनी बंद कर दी, तो इससे यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। बाइडन की चिंता जायज भी है क्योंकि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद की समीक्षा करेंगे। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर बड़ा हमला करते हुए करीब 200 मिसाइलें दागीं। रूसी हमले में यूक्रेन के पावर ग्रिड को भारी नुकसान हुआ है, जिसकी वजह से लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को बाइडन ने कहा कि 'इस दिन मेरा यूक्रेन के लोगों को संदेश साफ है, अमेरिका आपके साथ खड़ा है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अदिति-सिद्धार्थ ने फराह-हुमा के साथ किया छैया-छैया पर डांस, मलाइका भी हुईं शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली ।अदिति राव हैदरी-सिद्धार्थ की शादी की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रही हैं। इसी बीच फराह खान और हुमा कुरैशी के साथ सिद्धार्थ-अदिति का शाहरुख खान के गाने छैया-छैया पर डांस करती नजर आईं। इस जश्न में मलाइका अरोड़ा भी शामिल हुईं। मशहूर सेलिब्रिटी कपल अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने राजस्थान के बिशनगढ़ के अलीला किले में अपनी दूसरी शादी की। इस जोड़े ने इस भव्य समारोह की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अब इस जोड़े के जश्न की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिसमें फराह खान, मलाइका अरोड़ा और बाकी कई मशहूर सेलेब्स शामिल हुए हैं। मशहूर फैशन डिजाइनर गौरव गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की शादी के जश्न की कई तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट की शुरुआत में उन्होंने पावर कपल के साथ पोज दिया। अगली स्लाइड में नवविवाहित जोड़ा हुमा कुरैशी और फराह खान शाहरुख खान के गाने छैया छैया पर दिल खोलकर नाचते हुए दिखाई दिया। पोस्ट में दौरव गुप्ता की नवविवाहित जोड़े के साथ और भी तस्वीरें हैं और दुलकर सलमान के साथ एक क्लिक भी है। इसके अलावा मलाइका अरोड़ा भी इस जश्न का हिस्सा रहीं। इस दौरान मलाइका ने फैशन डिजाइनर गौरव गुप्ता के साथ पोज शानदार पोज दूसरे को थामे रखना है। इस खास दिन पर अदिति की पारंपरिक तेलंगाना शादी की चांद की मेहंदी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। बारीक कढ़ाई की गई थी। उनके लेयर्ड पर्ल नेकलेस ने उनके पूरे रॉयल लुक को और भी निखार दिया। अभय वर्मा, प्रज्ञा

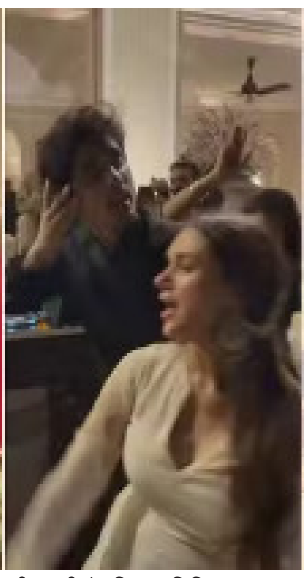
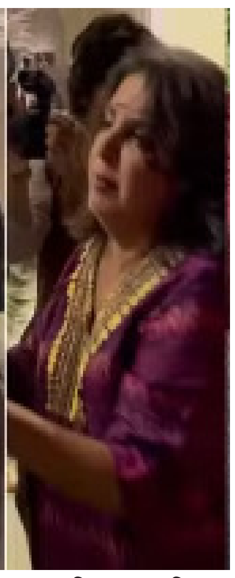

दिया। एक तस्वीर में, हीरामंडी अभिनेत्री अदिति ने अपने एथनिक बेस्ट कपड़े पहने हुए हाथों में मेहंदी लगाई हुई है। गौरव ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, ठअदु सिदु परी कथा मानव परी कथा शादी।ठकुछ दिन पहले ही अदिति और सिद्धार्थ ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस खास दिन की बेहद रोमांटिक तस्वीरें शेयर की थीं । पोस्ट पर कैप्शन में लिखा था, ठजिंदगी में सबसे अच्छी चीज एक-अपनी दूसरी शादी के लिए अदिति ने कढ़ाईदार चमकीले लाल दुल्हन के लहंगे में शाही अंदाज में नजर आईं। उन्होंने पारंपरिक भारतीय आभूषण पहने थे, जिसमें माथा पट्टी, नाक की अंगूठी, झुमके और सोने के गहने शामिल थे। अदिति का मेकअप सिंपल और फूलों की माला के साथ चमकती मुस्कान ने उनके लुक को पूरा किया। इस दौरान सिद्धार्थ ने आइवरी कलर की शेरवानी पहनी थी, जिस पर जायसवाल, आलिया भट्ट , निमरत कौर सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने उनके शादी के इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए शुभकामनाएं दीं। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने इससे पहले 16 सितंबर को वानापर्थी के 400 साल पुराने मंदिर में एक साधारण पारंपरिक दक्षिण भारतीय विवाह समारोह में विवाह किया था, तभी से अदिति और सिद्धार्थ चर्चा में बने हुए हैं।

क्या आपने देखी यामी गौतम के बेटे वेदविद की पहली क्यूट तस्वीर, आदित्य धर ने शेयर किया पोस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम के प्यारे बेटे वेदविद की प्यारी पहली तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। वेदविद की पहली तस्वीर को यामी के पति आदित्य धर ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। यामी गौतम को उनके साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, ठमेरी बेटर हाफ को जन्मदिन की शुभकामनाएं!! लव यू वेदु की मम्मी!ठइससे पहले, अपनी शादी की सालगिरह पर, यामी ने अपने पति के साथ कुछ खूबसूरत यादें साझा करते हुए लिखा था, ठसबसे खुशहाल 3 और सचमुच अभी। हैप्पी एनिवर्सी टू एस।ठ आदित्य

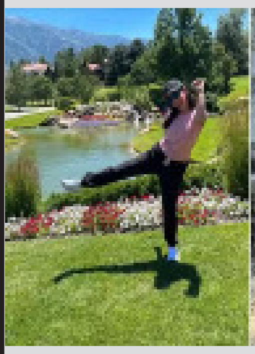
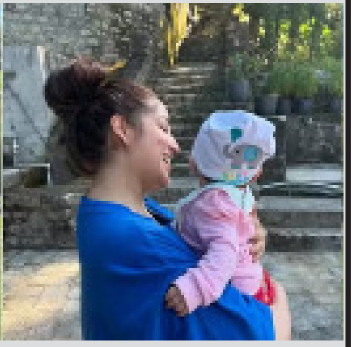

पति आदित्य धर ने उनके 35वें जन्मदिन पर दिल खोलकर बधाई दी और अपने प्रशंसकों के लिए एक खास सरप्राइज भी दिया। आदित्य ने यामी की कई प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। हालांकि, यामी की इन खास तस्वीरों में यामी ने अपने बेटे वेदविद को गोद में लिया हुआ एक अनमोल पल कैद किए हैं। यामी इन तस्वीरों में बेहद खुश नजर आईं तो वहीं वेदविद का चेहरा कैमरे से छिपा हुआ नजर आया। आदित्य ने तस्वीरों को धर ने भी अपनी सालगिरह के मौके पर एक प्यारा पोस्ट साझा किया था, जिसमें यामी का एक सोलो शॉट और जोड़े की साथ में कुछ तस्वीरें शामिल दिखीं। उन्होंने लिखा, ठप्यारी यामी, आप मेरे लिए दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला हैं और हमेशा रहेंगी! हैप्पी एनिवर्सरी माय लव कपल के बेटे का जन्म 10 मई को हुआ था। कपल ने अपने नन्हे राजकुमार का नाम वेदविद बताया था। ये एक संस्कृत नाम है, जो वेदा और विद से मिलकर बना है।

50 करोड़ में बिके नागा चैतन्य की शादी के डिजिटल अधिकार अभिनेता ने दावों पर दी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । नागा चैतन्य और सोभिता धूलिपाला जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। चैतन्य

ने शादी के वीडियो को लेकर चल रही खबरों का खंडन किया है। अभिनेता नागा चैतन्य और अभिनेत्री सोभिता धूलिपाला 4 दिसंबर को हैदराबाद के मशहूर अन्नपूर्णा स्टूडियोज में शादी करने जा रहे हैं। यह जगह अककिनेनी परिवार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में उनके समृद्ध इतिहास को दर्शाता है। शादी की तैयारियों के बीच नागा चैतन्य ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें दावा किया गया था कि एक ओटीटी प्लेटफार्म ने उनकी शादी के वीडियो के अधिकार 50 करोड़ रुपये में खरीद लिए हैं। अभिनेता ने जूम से बात करते हुए इन दावों को झूठा करार देते हुए कहा, ठयह झूठी खबर है। ऐसा कोई सौदा नहीं हुआ है। चैतन्य ने यह भी बताया कि शादी का आयोजन पारंपरिक रस्मों के साथ भव्य कार्यक्रम के रूप में होगा। हालांकि, इस शादी में केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे। यह नागा चैतन्य की दूसरी शादी होगी। फैंस 4 दिसंबर को होने वाली इस शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में नागा चैतन्य और शोभिता की शादी का कार्ड भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। इसमें शादी की तारीख का भी जिक्र था। वर्क फ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों थंडेल नाम की फिल्म की वजह से सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह साई पल्लवी के साथ दिखेंगे। यह फिल्म अगले साल 7 फरवरी को रिलीज होगी। इससे पहले, उन्होंने अक्टूबर 2017 में अभिनेत्री समांथा रुथ प्रभु से लंबे रिश्ते के बाद शादी की थी। हालांकि, दोनों ने अक्टूबर 2021 में व्यक्तिगत मतभेदों के कारण अपनी अलगाव की घोषणा की थी और 2022 में उनका तलाक हो गया था।

सिटाडेल- हनी बनी' की सफलता का जमकर मना जश्न, पार्टी में शामिल हुए ये सितारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली ।हनी बनी के निर्माता शो की सफलता को लेकर 29 नवंबर को एक शानदार पार्टी आयोजित की, जिसमें मुख्य कलाकार वरुण धवन, समांथा रुथ प्रभु और कई अन्य फिल्मी के कई सितारे शामिल हुए। समांथा रुथ प्रभु बेज कलर के टॉप और ब्लैक पैंट में बेहद खूबसूरत नजर आईं। वहीं, वरुण धवन अपनी पत्नी नताशा दलाल के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। निम्रत कौर ने ब्लैक ड्रेस में सभी का ध्यान

सितारे शामिल हुए सिटेडल' फ्रैंचाइजी के भारतीय संस्करण 'सिटेडलः हनी बनी' में वरुण धवन और समांथा रुथ प्रभु मुख्य भूमिका में नजर आए थे। 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर इसका प्रीमियर हुआ था। यह शो दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आया है और रिलीज के बाद से ही यह ऑनलाइन ट्रेंड कर रहा है। शो की सफलता का जश्न मनाने के लिए निर्माताओं ने 29 नवंबर (गुरुवार) को एक भव्य पार्टी आयोजित की, जिसमें मुख्य कलाकारों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री खींच लिया। पार्टी में अन्य प्रमुख मेहमानों में जहरा एस खान, शिवांकित सिंह परीहार, सोहम मजूमदार, राज निदिमोरू, कृष्णा डीके, गुलशन देवैया, महिरा शर्मा, जयदीप अहलावत, दर्शन कुमारी, वामिका गब्बी अवनीत कौर और मनीष पॉल भी मौजूद थे। सिटेडलः हनी बनी राज और डीके (राज निदिमोरू और कृष्णा डीके) द्वारा निर्देशित है और सीता आर मेनन ने इसे लिखा है। यह सिटेडल फ्रैंचाइजी का भारतीय संस्करण है, जिसे रूसो ब्रदर्स की एजीबीओ ने बनाया है।

पाकिस्तान में नाम और काम फिर भारतीय सिनेमा में वापसी के लिए क्यों मशक्कत कर रहे फवाद खान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । फवाद खान पाकिस्तान फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। अभिनेता ने बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। हालांकि, उरी हमले के बाद भारत में पाकिस्तानी स्टार्स को बैन कर दिया गया और फवाद भी हिंदी सिनेमा से गायब हो गए। फवाद खान पाकिस्तान फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। अभिनेता ने बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। हालांकि, उरी हमले के बाद भारत में पाकिस्तानी स्टार्स को बैन कर दिया गया और फवाद भी हिंदी सिनेमा से गायब हो गए। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। हाल ही में वह अपनी वेब सीरीज 'बरजख' को लेकर सुर्खियों में रहे। अभिनेता भारतीय सिनेमा में वापसी के लिए तमाम कोशिशें कर रहे हैं। फवाद अपनी फिल्म 'लीजेंड्स ऑफ मौला जट' की रिलीज को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म को भारत में रिलीज किया जाना था। तारीख भी तय हो गई थी, लेकिन विरोध के चलते इसकी मंजूरी नहीं मिली। फवाद की गिनती पाकिस्तान के हाईएस्ट पेड स्टार्स में होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि फवाद शोहरत के लिए भारत का मुंह क्यों देखते रहते हैं? आज अभिनेता का जन्मदिन है तो आइए उनके खास दिन पर उनसे जुड़े कुछ अहम पहलुओं पर गौर फरमा लेते हैं- 29 नवंबर 1981 को पाकिस्तान के कराची में फवाद खान के पिता

का जन्म भारत के पंजाब में हुआ था और उनकी मां उत्तर प्रदेश के लखनऊ की थीं लेकिन भारत-पाक विभाजन के बाद उनका परिवार पाकिस्तान में जाकर बस गया था। फवाद ने बॉलीवुड की फिल्मों में भी काम किया जहां उन्होंने ना सिर्फ अपने अभिनय से बल्कि अपने गुड लुक्स से भी लोगों का दिल जीता। फवाद खान ने फिल्म 'खूबसूरत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। इसमें उनके अपोजिट अभिनेत्री सोनम कपूर नजर आई थीं। इसके बाद वह 'कपूर एंड संस' और 'ऐ दिल है मुश्किल'जैसी फिल्मों में भी नजर आए। अब अभिनेता भारतीय सिनेमा में वापसी की पुरजोर कोशिशें कर रहे हैं लेकिन बात नहीं बन पा रही है। बीते दिनों अभिनेता अपनी फिल्म 'लीजेंड्स ऑफ मौला जट' की भारतीय रिलीज के लिए काफी ज्यादा उत्साहित थे। तारीख सामने आ चुकी थी, लेकिन विरोध इस कदर गहराया कि सिनेमा मालिकों को अपना फैसला बदलना पड़ गया। इसके बाद फवाद की फिल्म 'अबीर गुलाल' की घोषणा ने उनके भारतीय प्रशंसकों को गदगद कर दिया। इस फिल्म में फवाद के अपोजिट वाणी कपूर को कास्ट किए जाने की जानकारी दी गई थी। जानकारी यह भी मिली कि फिल्म का बैकग्राउंड लंदन पर आधारित होगा। इसकी शूटिंग 29 नवंबर को लंदन में शुरू होने की खबर मिली। हालांकि, शूटिंग पर कोई नया अपडेट अब तक नहीं आया है। ऐसे में सवाल उठता है कि पाकिस्तान के सुपरस्टार होने के बावजूद भी फवाह हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए इतनी मशक्कत क्यों कर रहे है बात करें कमाई की तो फवाद का नाम पाकिस्तान के सबसे अमीर सेलेब्स में शुमार है। टीवी धारावाहिकों और फिल्मों के जरिए वह तगड़ी कमाई करते हैं। सीरियल में वह एक एपिसोड के लिए लाखों में चार्ज करते हैं। जानकारी के मुताबिक, उनके एक एपिसोड की फीस 15 से 20 लाख रुपये होती है। इसके अलावा विभिन्न ब्रांड का विज्ञापन करने के लिए कंपनियां उन्हें मोटी रकम का भुगतान करती हैं। फवाद खान की कुल नेटवर्थ 48 करोड़ रुपये है।

सनी सुपर साउंड के भूतल पर अब मलाइका अरोड़ा का कब्जा, देखिए दोस्ती की नई मिसाल की अनदेखी तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा खान का रेस्तरां जल्द खुलने जा रहा है। आइए आपको बताते हैं अभिनेत्री के रेस्तरां की जगह और इससे सनी देओल के कनेक्शन के बारे में.. ये खबर तो हैं। सोशल मीडिया पर नए इन्फ्लुएंसर्स के आ जाने के बाद से पुरानी हूर परियों के दिन अच्छे नहीं हैं और इसी के चलते मलाइका ने ये कदम उठाया है। मलाइका अरोड़ा का रेस्तरां अभिनेता अक्षय कुमार के घर से बस चार कदम की दूरी

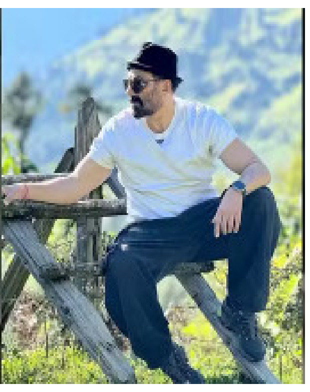

आप तक पहुंच ही गई होगी कि सलमान खान के छोटे भाई अरबाज खान की पूर्व पत्नी और अभिनेता अर्जुन कपूर की एक्स गर्लफ्रेंड जल्द ही एक रेस्तरां खोलने जा रही हैं। वैसे मलाइका की नेटवर्थ कोई सौ करोड़ के करीब बताई जाती है लेकिन उनके करीबी बताते हैं कि रोजमर्रा के खर्च निकलने के लिए अब वह भी कोई न कोई नियमित कारोबार को लेकर काफी सीरियस पर है। पास में ही दक्षिण भारतीय व्यंजनों का कमाल का रेस्तरां दक्षिणायन है। इस्कॉन मंदिर भी दूर नहीं है। मलाइका के जिस रेस्तरां में पेट पूजा का जो इंतजाम हो रहा है, वह सनी देओल की जायदाद सनी सुपर साउंड में खुलने जा रहा है। इसके थियेटर में फिल्मों के प्रिव्यू शोज और प्रेस शोज होते ही रहते हैं और शो शुरू होने या इंटरवल के बीच जहां नाश्ते आदि का इंतजाम भू तल पर किया जाता था, वह जगह अब सनी देओल ने मलाइका को दे दी है। सनी सुपर साउंड के स्टाफ को भी पता है कि यहां अब रेस्तरां खुलने जा रहा है। रेस्तरां मलाइका अरोड़ा खोल रही हैं, ये बात भी किसी से छिपी नहीं है।

शाहिद कपूर की आगामी एक्शन फिल्म के लिए उत्साहित हैं विद्या बालन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म

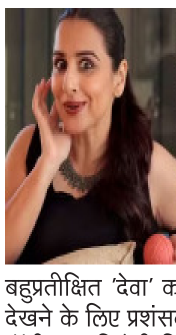
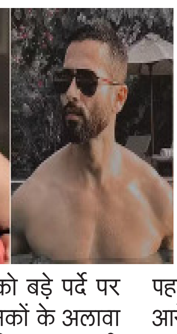

बहुप्रतीक्षित 'देवा' को बड़े पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसकों के अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन भी बेताब हैं। विद्या ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का लुक साझा करते हुए एक खास नोट लिखा है।शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म देवा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीम द्वारा फिल्म की रिलीज डेट हाल ही में साझा की गई है, जिससे प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक उत्साह बढ़ गया है। वहीं अब विद्या बालन ने अपने सोशल मीडिया पर इस थ्रिलर को बड़े पर्दे पर देखने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। पहले शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म देवा 14 फरवरी 2025 को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन, टीम ने फिल्म की बड़े पर्दे पर रिलीज की तारीख को बदलकर 31 जनवरी 2025 कर दिया है, जिससे दर्शकों का इंतजार कम हो गया है।

अविनाश तिवारी ने अमिताभ बच्चन के सिर पर वार की घटना को किया याद, बोले- सेट पर छाया सन्नाटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । लैला मजनू से मशहूर हुए अविनाश तिवारी ने अमिताभ बच्चन के साथ टीवी सीरीज युद्ध की शूटिंग की थी, लेकिन इस दौरान अविनाश से इतनी बड़ी गलती हो जाएगी। यह उन्हें भी अंदाजा नहीं था। यह पहली बार था जब युद्ध की शूटिंग के वक्त अविनाश की मुलाकात बिग बी से हुई थी। टीवी शो युद्ध की शूटिंग के एक सीन के दौरान अविनाश से दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के सिर पर चोट लग गई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अविनाश ने अमिताभ बच्चन के साथ एक एक्शन सीन फिल्माने की घटना को याद किया, जिससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अविनाश ने याद करते हुए कहा, ठपहली बार जब हम (अमिताभ बच्चन) मिले तो हमें एक एक्शन सीक्वेंस करना था। मैंने उस समय तक अपने जीवन में कभी कोई एक्शन सीक्वेंस नहीं किया था। सीन में उन्हें मुझे मुक्का मारना था और मुझे झुककर उन्हें जवाब देना था। मैंने उनके सिर पर मुक्का मारा, लेकिन उस समय मुझे जो शर्मिंदगी मेरी तरफ देखा और कहा हम इसे अजनबी दुनिया की तरह लग रहा

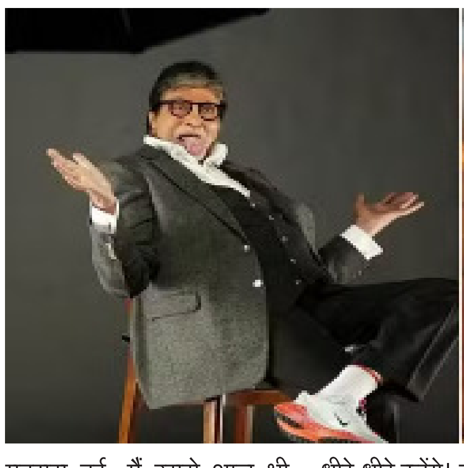

महसूस हुई, मैं उससे आज भी उबर नहीं पाया हूं।ठ अविनाश ने आगे कहा, ठसेट पर एकदम सन्नाटा छा गया था और मैंने एक और मुक्का मारा क्योंकि उन्होंने कट नहीं कहा था। मैं उनके पास गया और माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'हां तुमने मेरे सिर पर मारा।' मैंने माफी मांगी और घबराहट में मैंने उनसे पूछा कि क्या हमें रिहर्सल करनी चाहिए और उन्होंने अभी भी अपने सिर के पिछले हिस्से को पकड़ते हुए धीरे-धीरे करेंगे। उन्होंने मुझसे कहा कि एक्शन कोरियोग्राफी की तरह है इसलिए सिर्फ डांस करो एक्शन नहीं। अविनाश ने कैसे लिए था अभिनेता बनने का फैसला। इस पर अविनाश ने कहा, ठमैंने अपने जीवन के एक हिस्से के रूप में संघर्ष को स्वीकार कर लिया है। मैं इंजीनियरिंग कर रहा था और एक दिन मैंने अभिनेता बनने का फैसला किया। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। यह मेरे लिए एक था और उस समय मुझे यह पसंद नहीं था। मैंने सोचा कि मुझे दिल्ली में मिस्टर बैरी जॉन के साथ अभिनय का प्रशिक्षण लेना चाहिए, फिर मैंने न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी जाने और वहां प्रशिक्षण लेने का फैसला किया। मैं यह सोचकर वापस आया कि वहां मेरा इंतजार करने के लिए एक रेड कार्पेट होगा और वहीं से मेरा संघर्ष शुरू हुआ। हाल ही में जब लैला मजनू को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया तो अविनाश सुर्खियों में आ गए। शुरुआत में सफल न होने के बावजूद, समय के साथ फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया। अविनाश ने कहा, ठमैंने डीडी नेशनल पर कुछ शो किए और मुझे लगा कि यह मेरी रोजी-रोटी कमाने और खुद को बनाए रखने का एक शानदार तरीका होगा। मुझे बस एक ही फिल्म चाहिए थी। 2003 से 2018 तक, 15 साल लग गए मुझे यह कहने में कि मैं एक फिल्म (लैला मजनू) का नायक हूं। इस फिल्म को बनाने में 3 साल लगे और तीसरे दिन, उस फिल्म के पोस्टर हटा दिया गया। उस समय, मुझे नहीं पता था कि आगे क्या करना है।उन्होंने कहा, ठमुझे वह अवसर पाने में 15 साल लग गए और फिर वह 3 दिनों में गायब हो गया। उसके बाद से मैं अभी भी यहीं हूं और उसी फिल्म की दोबारा रिलीज देख रहा हूं। मैंने इस साल की शुरुआत मैडगांव एक्सप्रेस से की और मैं उसके लिए आभारी हूं। मैं एक कलाकार के तौर पर इस समय संतुष्ट और खुश हूं, लेकिन यह भागदौड़ कभी खत्म नहीं होती।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।